RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | सोमवार , 02 मार्च 2026 | वर्ष: 03, अंक: 352 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पीएम ने 4,400 करोड़ की विकास परियोजनाओं का किया शुभारंभ

तमिलनाडु दौरे के दौरान रविवार को मदुरै स्थित प्रसिद्ध तिरुपरंकुंद्रम मुरुगन मंदिर में भगवान मुरुगन के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की

मदुरै/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने दो दिवसीय तमिलनाडु दौरे के दौरान रविवार को मदुरै स्थित प्रसिद्ध तिरुपरंकुंद्रम मुरुगन मंदिर में भगवान मुरुगन के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर, तिरुपरंकुंद्रम पहाड़ी तथा आसपास के इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। प्रधानमंत्री राज्य में विभिन्न सरकारी कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की जनसभा में भाग लेने के लिए तमिलनाडु पहुंचे हैं। अपने दौरे की शुरूआत उन्होंने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आयोजित कल्याणकारी योजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम से की। इसके बाद प्रधानमंत्री मदुरै हवाई अड्डे पर आयोजित एक भव्य समारोह में शामिल हुए, जहां उन्होंने तमिलनाडु के बुनियादी ढांचे और परिवहन नेटवर्क को मजबूत करने के उद्देश्य से लगभग 4,400 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री ने जिन प्रमुख परियोजनाओं की आधारशिला रखी, उनमें परमक्कुडी-रामनाथपुरम के बीच 1,853 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली चार-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना शामिल है। इसके अतिरिक्त मरक्कानम-पुडुचेरी चार-लेन सड़क परियोजना का भी शुभारंभ किया गया, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और व्यापार गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। रेलवे क्षेत्र में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्रधानमंत्री ने रामेश्वरम-बेंगलुरु तथा तांबरम-मंगलुरु के बीच अमृत भारत ट्रेन सेवाओं की शुरूआत की। साथ ही राज्य में उन्नत किए गए आठ रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन किया गया और चेन्नई बीच-एग्मोर के बीच निर्मित चौथी रेल लाइन राष्ट्र को समर्पित की गई।

पिछले दस वर्षों में भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व बदलाव हुए: पीएम मोदी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भारतीय रेलवे में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। उन्होंने बताया कि तमिलनाडु की रेलवे परियोजनाओं के लिए बजट आवंटन में नौ गुना वृद्धि की गई है तथा बीते एक दशक में राज्य में लगभग 1,300 किलोमीटर नई रेल लाइनें बिछाई गई हैं, जिससे यातायात सुविधा और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। उन्होंने आदिचनल्लूर को विश्वस्तरीय सांस्कृतिक केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की। साथ ही पुलिकट झील और पोधिगई पहाड़ियों के आसपास पर्यावरण पर्यटन को बढ़ावा देने की योजना पर भी प्रकाश डाला, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

तमिलनाडु के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में बड़े पैमाने पर निवेश किया

पिछले 15 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा तमिलनाडु के राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क के विकास में बड़े पैमाने पर निवेश किया गया है। अपने कार्यक्रमों के समापन के बाद प्रधानमंत्री तिरुपरंकुंद्रम मुरुगन मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने देश की सुख-समृद्धि, शांति और नागरिकों के कल्याण की कामना करते हुए विशेष पूजा-अर्चना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि तमिलनाडु अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है। प्रधानमंत्री का यह दौरा तमिलनाडु में बुनियादी ढांचे के विस्तार, रेल एवं सड़क संपर्क सुधार तथा पर्यटन विकास को नई दिशा देने के रूप में देखा जा रहा है।

पीएम मोदी ने पुडुचेरी को 2,700 करोड़ की दी सौगात

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि पुडुचेरी के विकास को बेस्ट पुडुचेरी की थीम पर किया गया है। बेस्ट का अर्थ है बिजनेस, एजुकेशन, स्प्रिच्युअलिटीऔर टूरिज्म। पिछले साढ़े चार वर्षों में यह संकल्प ठोस परिणाम दे रहा है। प्रधानमंत्री ने पुडुचेरी में एल कार्यक्रम में रविवार को 2,700 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि जब केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारें एक समान दृष्टि और समर्पण के साथ कार्य करती हैं तो परिणाम शीघ्र और बेहतर मिलते हैं। डबल इंजन की सरकार ने विकास को गति दी है और जनजीवन को सरल बनाया है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले पुडुचेरी को राजनीतिक स्वार्थ का माध्यम बनाया गया, जबकि वर्तमान सरकार विकास को प्राथमिकता दे रही है।

पुडुचेरी को विशेष सहायता योजना के अंतर्गत शामिल किया गया

चालू वित्त वर्ष के केंद्रीय बजट में आधारभूत संरचना निर्माण के लिए रिकॉर्ड 12 लाख करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसका लाभ पुडुचेरी सहित देश के सभी क्षेत्रों को मिलेगा। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि पुडुचेरी को राज्यों को पूंजी निवेश के लिए विशेष सहायता योजना के अंतर्गत शामिल किया गया है। पहले यह योजना केवल पूर्ण राज्यों तक सीमित थी। इस निर्णय से सड़क, जल आपूर्ति, तटीय ढांचा, विद्यालय, अस्पताल और अन्य लोक उपयोगी कार्यों के लिए अतिरिक्त धन उपलब्ध होगा। इस दौरान प्रधानमंत्री ने 750 एकड़ में विकसित करसुर-सेदारापेट औद्योगिक क्षेत्र को राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने कहा कि यह परिसर भविष्य में औषधि पार्क, वस्त्र पार्क और सूचना प्रौद्योगिकी पार्क के रूप में विकसित होगा। स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यहां अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं तथा स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की भी योजना है।

आरएसएस समाज को संगठित और राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने का कर रही काम : राजू दास

रांची।

अयोध्या के हनुमान गढ़ी के महंत राजू दास ने कहा कि पिछले 100 वर्षों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने समाज को संगठित करने, राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत करने और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा करने का निरंतर प्रयास किया है। उन्होंने प्रश्न रखा कि देश सुरक्षित कैसे रहे, आने वाली पीढ़ियां अपनी पहचान और परंपरा से जुड़ी कैसे रहें और भारत पुनः किस प्रकार की दासता का शिकार न हो–इन सभी विषयों पर संघ ने निरंतर चिंतन और कार्य किया है।

दास रविवार को रांची के चुटिया स्थित श्री राम मंदिर परिसर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष पर आयोजित विराट हिंदू सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के लिए हुए दीर्घकालिक संघर्ष और लाखों रामभक्तों के त्याग और बलिदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल मंदिर निर्माण का विषय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे ऐतिहासिक संघर्षों की स्मृति हमें संगठित रहने और अपनी आस्था व परंपराओं की रक्षा करने की प्रेरणा देती है।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

Course

B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

संजय शुक्ल
चेयरमैन

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

युवा विकास पार्टी की बैठक में यूजीसी के नए दिशा निर्देश वापस लेने की मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। नवाबगंज में युवा विकास पार्टी की बैठक मेजर ध्यानचंद पार्क बरीबोझ में संपन्न हुई। अध्यक्षता युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीव कुमार और संचालन रमेश यादव ने किया। युवा विकास पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय में समानता स्थापित करने के लिए यूजीसी के जो नए दिशा निर्देश लागू किए गए हैं, उससे देश में आक्रोश है। इससे विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण खराब होगा। पूरे देश में जगह-जगह आंदोलन हो रहे हैं। सरकार को

इसको तुरंत वापस लेना चाहिए। क्षेत्र में बिजली की गंभीर समस्या पर सरकार से मांग की गई की शाम 6 बजे से रात 11 बजे तक बिजली की आपूर्ति अनिवार्य रूप में की जाए। सुबह भी बिजली की आपूर्ति की जाए।

इस समय परीक्षा का समय चल रहा है। छात्रों को परीक्षा की तैयारी करने में बड़ी परेशानी हो रही है। क्षेत्र में सड़कों की स्थिति पर विचार विमर्श किया गया। नए सत्र का प्रवेश प्रारंभ हो रहा है, बच्चों का शोषण नहीं होना चाहिए। युवा विकास पार्टी ने सभी विद्यालय संचालकों से अनुरोध किया है कि वह किसी भी स्थिति में बच्चों का शोषण न करें।

युवा विकास पार्टी ने जिलाधिकारी प्रयागराज से मांग की है कि एक कमेटी बनाकर विद्यालयों की निगरानी रखी जाए। अगर किसी अभिभावक को परेशानी है तो वह युवा विकास पार्टी के कार्यालय में आकर शिकायत कर सकता है। इस दौरान संगठन के विस्तार पर भी चर्चा हुई।

ईरान में सैनिक कार्रवाई का स्वागत किया गया। सलीम वास्तविक के ऊपर किए गए हमले की कठोर निंदा की गई। उन पर हमला करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग करते हुए युवा विकास पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे लोगों का एनकाउंटर किया जाना बहुत जरूरी है।

बैठक में प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव कुमार त्रिपाठी, राष्ट्रीय महासचिव रमेश यादव, राष्ट्रीय महासचिव दिलीप मिश्रा, जिला प्रवक्ता अभिनव मिश्रा, अवधेश त्रिपाठी, गौरी शंकर तिवारी, शिव शंकर सिंह, रामकृष्ण त्रिपाठी, त्रिपुरेश त्रिपाठी समेत अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

4 किलो गांजा के साथ एक सप्लायर गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर दिनेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में जनपद में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने हेतु अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत रविवार को थाना सिकन्द्राबाद पुलिस द्वारा अभियुक्त अजीत उर्फ दादू को ग्राम रजपुरा के पास से 04 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्त अजीत उर्फ दादू पुत्र रामसहाय निवासी भिढेना थाना तम्बौर जनपद सीतापुर। (हाल पता- ग्राम रजपुरा थाना सिकन्द्राबाद जनपद बुलन्दशहर)।

एएसपी द्वारा आगामी त्यौहारो के दृष्टिगत पुलिस-फोर्स के साथ अपने-अपने क्षेत्र में पैदल मार्च किया

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निदेर्शानुसार आगामी त्यौहारो पर जनपद मे शांति एवं कानून व्यवस्था के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक नगर शंकर प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डा0 तेजवीर सिंह एवं समस्त क्षेत्राधिकारियों द्वारा आम जनमानस में सुरक्षा के भाव को सुदृढ़ करने के दृष्टिगत अपने- अपने सर्किल के संवेदनशील क्षेत्रो में पुलिस फोर्स के साथ पैदल मार्च किया गया तथा जनमानस के साथ संवाद स्थापित कर सुरक्षित होलिका दहन एवं होली मनाये जाने की अपील की गयी तथा आम जनमानस से अनुरोध किया गया कि असामाजिक तत्वों तथा किसी भी प्रकार की अफवाह व उन्माद फैलाने वालों के बारे में तत्काल 112 नम्बर अथवा संबंधित थाना प्रभारी को सूचित करें।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस फोर्स को निर्देश दिये गये है कि यदि कही भी आराजक तत्व/असामाजिक तत्वो के द्वारा त्यौहार के हर्ष उल्लास में किसी भी स्तर पर कोई 'अवांछनीय गतिविधियां की जाये तो उनसे सख्ती से निपटा जाये ।

साथ ही जनपद में शराब पीकर गाडी चलाने(ड्रिंक एण्ड ड्राईव) वालो के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है । यह अभियान लगातार दिनांक 05.03.2026 तक जारी रहेगा ।

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। 25 नवंबर 2025 को थाना कोखराज पर वादिनी द्वारा सूचना दी गयी कि अ भियुक्त अरविन्द कुमार पुत्र छोटका निवासी चिन्तापुर थाना सराय अकिल मेरी नाबालिग पुत्री को बहला फुसला कर भगा ले गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना कोखराज में तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था एवं अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु प्रयास किया जा रहा था ।

उपरोक्त क्रम में रविवार को थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अरविन्द कुमार पुत्र छोटका निवासी चिन्तापुर थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

चोरी की घटना का किया खुलासा, एक अभियुक्त को चोरी के माल सहित किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना कल्यानपुर पुलिस चोरी का खुलासा करते हुए अभियुक्त निशांत शर्मा पुत्र शम्भू शरण शर्मा निवासी ग्राम तुरी थाना मेन जनपद गया बिहार हाल पता ग्राम कंसपुर थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर उम्र करीब 19 वर्ष को किया गया गिरफ्तार कब्जे से ड्रोन कैमरा सेट मय बैटरी चार्जर व 10 अदद लकड़ी के पटरे, 03 लकड़ी के बने हुए खिड़की के दरवाजे का फ्रेम, साइकिल, सोलर पैनल व 01 अदद कुल्हाड़ी बरामद।

28 फरवरी रामकरन पुत्र श्यामलाल निवासी खरौली थाना औंग जनपद फतेहपुर द्वारा दी गयी तहरीरी सूचना बाबत अज्ञात चोरों द्वारा आवेदक के रिश्तेदार चन्द्रशेखर पुत्र शिवबालक निवासी नासिरगंज थाना कल्यानपुर के घर से 01 अदद ड्रोन कैमरा सेट मय बैटरी चार्जर चोरी कर लिये व महेश सिंह पुत्र स्व0 रक्षपाल सिंह ग्राम कंसपुर थाना कल्यानपुर जनपद फतेहपुर द्वारा दी गयी तहरीरी सूचना बाबत अज्ञात चोरों द्वारा आवेदक के घर से 01 सोलर पैनल,01 कुल्हाडी व गांव के ही रहने वाले रामशंकर पुत्र स्व0 रामकिशुन विश्वकर्मा की दुकान से 10 लकड़ी के पटरे, 3 लकड़ी के बने हुए खिड़की के दरवाजे का फ्रेम,01 साइकिल चोरी कर लिये जाने के सम्बंध में पंजीकृत मु0अ0सं0 54/2026 धारा 305 बीएनएस बनाम अज्ञात।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देश पर थाना हथगाव पुलिस वांछित वारंटी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर दुष्कर्म के एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष हथगांव ने बताया कि क्षेत्र के एक गांव की एक युवती के साथ हुए दुष्कर्म आईटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त अमन पुत्र मो0 कल्लू कुंजड़ा निवासी रज्जीपुर छिवलहा थाना हथगाँव जिला फतेहपुर उम्र करीब 29 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया।

गिरफ्तार करने वाली टीमः

प्र0नि0 दुर्गेश प्रसाद गुप्ता थाना हथगाँव. म0उ0नि0 प्रियंका वर्मा, उ0नि0 अखिलेश यादव।

जालौन अधिवक्ता संघ चुनाव: ऋषि पटेल अध्यक्ष निर्वाचित

उरई। जनपद जालौन के जिला मुख्यालय उरई स्थित अधिवक्ता संघ के वार्षिक चुनाव के नतीजे देर रात घोषित कर दिए गए। लम्बी मतगणना के बाद आए परिणामों में अधिवक्ताओं ने अपने नेतृत्व के लिए नए चेहरों पर भरोसा जताया। सबसे अहम पद अध्यक्ष के लिए हुए मुकाबले में ऋषि कुमार पटेल ने बाजी मारी।

अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में ऋषि कुमार पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 681 मत हासिल किए और अपने प्रतिद्वंद्वियों को बड़े अंतर से पीछे छोड़ दिया। उनकी इस जीत को संघ में व्याप्त गुटबाजी के बीच एक नई सहमति के रूप में देखा जा रहा है।

वहीं, संघ की कमान में साधना त्रिपाठी की भागीदारी को मजबूती देते हुए महासचिव पद के लिए चुना गया। श्रीमती त्रिपाठी ने कड़े मुकाबले में 518 मत प्राप्त करके यह पद अपने नाम किया। उनके निर्वाचन को अधिवक्ता परिषद में बढ़ते महिला प्रतिनिधित्व के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चुनाव में अन्य प्रमुख पदों पर विजयी प्रत्याशियों की बात करें तो कोषाध्यक्ष पद पर कुमार गौरव श्रीवास्तव ने जीत दर्ज की। उपाध्यक्ष पद के लिए संजीव तिवारी 'सीटू' को सफलता मिली। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर कर्मक्षेत्र अवस्थी और कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर अनम वर्मा निर्वाचित घोषित किए गए। संयुक्त सचिव पद पर त्रिकोणीय मुकाबला देखने को मिला, जिसमें मुलायम सिंह यादव, प्रद्युम्न सिरौठिया और रितिक दुबे 'सनी' ने जीत हासिल कर कार्यकारिणी में जगह बना

अधिवक्ता संघ के इस वार्षिक चुनाव में कुल 1478 पंजीकृत मतदाता थे, जिनमें से 1171 अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। यह मतदान प्रतिशत करीब 79 फीसदी रहा।

जनपद के थाने में चला सफाई अभियान

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । रविवार को पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं पुलिस कार्यालयों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

अभियान के अंतर्गत पुलिसकर्मियों द्वारा श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात एवं आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की गई। कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर परिसरों को स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित बनाया गया।

अभियान का उद्देश्य पुलिस विभाग में स्वच्छ, अनुशासित एवं सकारात्मक कार्य वातावरण स्थापित करना तथा ह्रस्वच्छता ही सेवाह्व के संदेश को आत्मसात करना है। इस अवसर पर सभी पुलिसकर्मियों ने अपने कार्यस्थल एवं आसपास नियमित स्वच्छता बनाए रखने का संकल्प लिया तथा आमजन को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया।

पुलिस अधीक्षक द्वारा निर्देशित किया गया कि स्वच्छता एक सतत प्रक्रिया है, अतः सभी थाना एवं कार्यालय परिसरों को सदैव साफ-सुथरा रखा जाए। यह स्वच्छता अभियान प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से संचालित किया जाएगा।

डीजे संचालकों के साथ थाने में की गई बैठक

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। होली पर्व के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में थाना सैनी परिसर में उपजिलाधिकारी सिराथू व क्षेत्राधिकारी सिराथू द्वारा डीजे संचालकों की बैठक आयोजित की गई। इसी क्रम में थाना कड़ाधाम व थाना कोखराज पर डीजे संचालकों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान सभी डीजे संचालकों को शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करने, निर्धारित समय सीमा में ही ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग करने, उच्च ध्वनि से परहेज करने तथा किसी भी प्रकार की अशांति या साम्प्रदायिक सौहार्द प्रभावित करने वाली गतिविधि से दूर रहने के निर्देश दिए गए।

साथ ही स्पष्ट किया गया कि नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर विधिक कार्यवाही की जाएगी। सभी संचालकों से शांति, सौहार्द एवं आपसी भाईचारे के साथ त्योहार संपन्न कराने में सहयोग की अपील की गई।

बलिया के हत्यारोपी को जीआरपी ने छिवकी में पकड़ा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। बलिया जिले के थाना सुखपुरा में हत्या के मुकदमें से सम्बन्धित अभियुक्त मिथुन साहनी निवासी बसन्तपुर थाना सुखपुरा जनपद बलिया को जीआरपी ने गिरफ्तार कर सुखपुरा थाना पुलिस को सुपुर्दगी में दिया गया। पुलिस ने बताया कि टेलिफोन के जरिए थाना सुखपुरा जनपद बलिया के थानाध्यक्ष द्वारा अवगत कराया गया कि उनके थाने का एक अभियुक्त जो अपनी पत्नी को जान से मारकर ताप्ती गंगा ट्रेन से जा रहा है। ट्रेन करीब 7 बजे शाम को रेलवे स्टेशन छिवकी प्रयागराज पहुंचेगी।

इस सम्बन्ध में थाना सुखपुरा जनपद बलिया में धारा 105 बीएनएस बनाम मिथुन साहनी पुत्र चन्द्र गोविन्द साहनी निवासी बसन्तपुर थाना सुखपुरा जनपद बलिया के विरूद्ध मुकदमा दर्ज है।

इस सूचना पर थाना जीआरपी प्रयागराज व चौकी जीआरपी छिवकी की टीम द्वारा ताप्ती गंगा एक्सप्रेस ट्रेन के प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पहुंचने पर अभियुक्त मिथुन साहनी को ट्रेन में पकड़ लिया गया।

इसकी सूचना तत्काल थानाध्यक्ष सुखपुरा जनपद बलिया को दी गयी। थानाध्यक्ष कीडगंज प्रयागराज के चौकी जीआरपी छिवकी उपस्थित आने पर अभियुक्त मिथुन साहनी को सुपुर्द किया गया।

जिला बदर का अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी द्वारा अभियुक्त सुनील उर्फ मिथुन पुत्र कन्धई निवासी ग्राम इचौली थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को जिला बदर किया गया था । इसके संबंध में अभियुक्त को नोटिस तामीला कराते हुए अवगत कराया गया था एवं नियमानुसार डुग-डुगी बजाकर गांव में प्रचार प्रसार किया गया था ।

रविवार को थाना कोखराज पर मुखविर द्वारा सूचना दी गयी कि जिलाबदर अभियुक्त सुनील उर्फ मिथुन अपने घर पर आया हुआ है। प्राप्त सूचना के आधार पर थाना कोखराज पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त को ग्राम इचौली से गिरफ्तार किया गया ।

चोरी/गोकशी की घटना का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । 24 फरवरी को बुदुनलाला पुत्र मैकूलाल निवासी एदिलपुर थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी द्वारा थाना मंझनपुर पर सूचना दी गई कि 22 फरवरी की रात्रि को अज्ञात व्यक्ति मेरी गाय को चोरी कर ले गए है । प्राप्त सूचना के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 84/26 धारा 303(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया था । तत्पश्चात दी गयी सूचना के आधार पर उक्त अभियोग में धारा 3/5क/8 गोवध निवारण अधिनियम की बढ़ोत्तरी की गयी थी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा घटना की गम्भीरता को देखते हुए घटना के अनावरण एवं अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था ।

थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा सीसीटीवी, सर्विलांस, तकनीकी साधनों की सहायता से सुसंगत साक्ष्यों के आधार पर रविवार थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से संबंधित प्रकाश में आए अभियुक्त मोनू पुत्र मल्हू निवासी समदा थाना मंझनपुर जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी पुलिस संग्रहालय और मेडिकल कालेज का किया निरीक्षण

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार देर शाम सी.एम. ग्रिड योजनांतर्गत सड़क निर्माण परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्यों की भौतिक प्रगति का जायजा लेने के बाद संबंधित कार्यदाई संस्था के अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कार्यों को मानक के अनुरूप गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराने पर खासा जोर दिया। दो दिवसीय दौरे पर शहर में आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पांडेयपुर मानसिक चिकित्सालय के 14.2 एकड़ जमीन पर बन रहे मेडिकल कॉलेज का भी निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों द्वारा कार्य की प्रगति से अवगत कराया गया।

मुख्यमंत्री ने कार्य में तेजी लाये जाने के साथ ही निर्धारित समयावधि में कार्य को पूरा कराए जाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने नियमित रूप से निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग कराये जाने का निर्देश दिया। बताया गया कि इस मेडिकल कॉलेज में लगभग 150

एमबीबीएस के छात्रों की पढ़ाई होगी। वर्ष 2027 में मेडिकल कॉलेज का निर्माण कार्य पूरा करा लिया जाएगा।

जिसके सिविल कार्य पर लगभग 150 करोड़ की धनराशि व्यय होगा।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने सी.एम. ग्रिड योजनांतर्गत तिलक जी की मूर्ति से भारत सेवा आश्रम तक बनाये जा रहे सड़क निर्माण कार्य का भी निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बता दें कि वाराणसी नगर क्षेत्र में सीएम ग्रिड योजना से 47 करोड़ रुपये लागत से छह स्मार्ट और हाईटेक सड़क बनाई जा रही है। लगभग 90 फीसदी काम पूरा भी हो गया है। इन सभी सड़कों के किनारे हरियाली को प्रमुखता दी जा रही है। जिससे इन सड़कों पर फुटपाथ के साथ ही ग्रीनरी की व्यवस्था भी मिलेगी, ताकि इस सड़क के किनारे से चलने वाले लोगों को हरियाली के साथ ही वहां बैठने और रुकने की भी व्यवस्था होगी।

निरीक्षण के दौरान स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ नीलकंठ तिवारी, महापौर अशोक तिवारी, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ अवधेश सिंह, डॉ सुनील पटेल, मंडलायुक्त एस राजलिंगम,अपर पुलिस आयुक्त शिवहरि मीणा, डीआईजी वैभव कृष्णा,जिलाधिकारी सत्येन्द्र

यूपी विधानसभा चुनाव से पूर्व भाजपा ने संगठन को बूथ स्तर पर सक्रिय करने पर दिया जोर

धर्मपाल सिंह ने काशी क्षेत्र के जिला प्रभारियों व मंडल अध्यक्षों संग की समीक्षा बैठक

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पूर्व पार्टी संगठन को बूथ स्तर पर सक्रिय करने पर खासा जोर दिया है। पार्टी के उत्तर प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने रविवार को काशी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी 16 जिलों के जिला प्रभारियों, बीएलए-1 वाराणसी जिला एवं महानगर के सभी मंडल अध्यक्षों के साथ सर्किट हाउस में अलग-अलग बैठक की।

बैठक में उन्होंने जनसेवा की राह में आने वाली चुनौतियों के समाधान, कार्यशैली में नवाचार तथा संगठन को अधिक प्रभावी, गतिशील एवं जनकेंद्रित बनाने पर विस्तार से चर्चा की। संगठन महामंत्री ने मतदाता गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि दो दिन बाद होली का पावन पर्व है। इस अवसर पर सभी कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों पर जाकर मतदाताओं से मिलें, उन्हें होली की शुभकामनाएं दें तथा यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम एसआईआर के दौरान अनमैप न हुआ हो। उन्होंने निर्देश दिया कि यदि किसी मतदाता को नोटिस प्राप्त हुई हो तो उसका कारण जानें । आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित प्रपत्र बीएलओ के पास जमा कराएं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदान प्रत्येक नागरिक का अधिकार है और किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से छूटना नहीं चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि जिन युवाओं की आयु 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उनसे फार्म-6 भरवाकर बीएलओ के पास जमा कराया जाए, ताकि वे मतदाता सूची में शामिल हो सकें।

–प्रशिक्षण महाअभियान से कार्यकताओं का व्यक्तित्व निर्माण

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि होली के पश्चात पं. दीनदयाल प्रशिक्षण महाअभियानझ2026 के तहत मंडल स्तर की कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी। प्रत्येक मंडल की कार्यशाला अलग-अलग होगी, जिसके बाद जिला, क्षेत्र एवं प्रदेश स्तर की कार्यशालाएं संपन्न होंगी। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह कार्यकर्ता के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया है। बैठक की अध्यक्षता एवं मुख्य अतिथि का स्वागत क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल ने किया। बैठक में जिलाध्यक्ष एवं एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा,प्रदेश मंत्री शंकर गिरी, मीना चौबे, कौशलेंद्र सिंह पटेल, राजेश राजभर, नागेंद्र रघुवंशी, नवरतन राठी, अनिल श्रीवास्तव, संतोष सोलापुरकर, जगदीश त्रिपाठी आदि की मौजूदगी रही।

90 लीटर अवैध देशी शराब बरामद व 4 कुंतल लहन नष्ट कराया गया

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के निर्देशन में जनपद में अवैध शराब के निर्माण, भंडारण एवं तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में रविवार को जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर सघन चेकिंग एवं दबिश की कार्यवाही की गयी । प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों की घेराबंदी कर चेकिंग की गयी । कार्यवाही के दौरान कुल 04 नफर अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से कुल 90 लीटर अवैध देशी शराब बरामद की गयी एवं लगभग 4.5 कुंतल लहन नष्ट कराया गया । बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध थाना स्थानीय पर अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सीओ ने भीड़ नियंत्रण संबंधी तैयारियों का लिया जायजा

सबसे तेज प्रयागराज कौशांबी। होली पर्व के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी चायल अभिषेक सिंह द्वारा थाना सराय अकिल क्षेत्रांतर्गत चिन्हित होलिका दहन स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, अग्निशमन संसाधनों, प्रकाश व्यवस्था एवं भीड़ नियंत्रण संबंधी तैयारियों का जायजा लिया गया तथा संबंधित पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

क्षेत्राधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि पर्व के दौरान सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए शांति, सौहार्द एवं कानून-व्यवस्था कायम रखी जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सच्चा बाबा आश्रम में हंगामा, पूर्व सांसद पर गंभीर आरोप

बडी संख्या में शिष्य, संत आज करेगे कमिश्नर, पुलिस कमिश्नर का घेराव

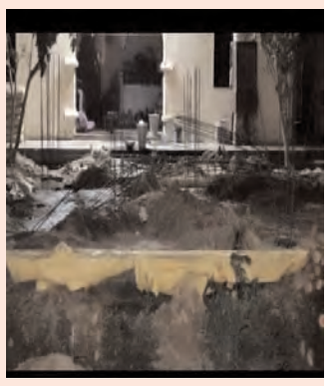

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र के अरैल स्थित विश्व प्रसिद्ध सच्चा बाबा आश्रम में चल रहे निर्माण कार्य को लेकर आज एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। आश्रम के लोगों का आरोप है कि पूर्व राज्यसभा सांसद और सपा नेता कुंवर रेवती रमण सिंह बडी संख्या में समर्थकों के साथ पहुंचकर यहाँ के कार्यों को बलपूर्वक रुकवा दिया है। इससे आश्रम के संतों में आक्रोश है।

आश्रम के महंत आचार्य चन्द्रदेव महराज ने बताया कि पूर्व सांसद की संलिप्तता से सभी लोग आक्रोशित है, सोमवार को पुलिस कमिश्नर और कमिश्नर का घेराव कर सांसद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए मामले की जानकारी शासन को दी जाएगी। उन्होंने कहा कि आश्रम के निर्माण में अराजकता बर्दाश्त नही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नैनी के सच्चा बाबा आश्रम परिसर में एक कुटिया का पुनः निर्माण किया जा रहा था। आश्रम के लोगों का आरोप है कि पूर्व सांसद रेवती रमण सिंह और बडी संख्या में उनके लोग पहुंचे और जबरदस्ती निर्माण को रूकवा दिया। यही नहीं, आरोप यह भी है कि उन्होंने वहां रखे सीमेंट पर पानी डलवा दिया और निर्माण के लिए लगाए गए सरिया को भी कटवा दिया।

आश्रम और संस्कृत विद्यालय से जुड़े साधु - संतों ने गंभीर आरोप लगाए। प्रधानाचार्य और प्राचार्यों का आरोप है कि पूर्व सांसद और उनके समर्थकों ने उनके साथ बदतमीजी की। आश्रम के महंत आचार्य चन्द्रदेव महराज ने बताया कि जब उनके शिष्यों ने इस पूरी घटना का वीडियो बनाना चाहा, तो उनका मोबाइल छीन लिया गया और उसमें मौजूद वीडियो को भी डिलीट कर दिया गया।आश्रम के लोगों का कहना है कि उनके पास जमीन और विद्यालय से संबंधित सभी कानूनी दस्तावेज मौजूद हैं।

आश्रम से जुड़े लोगों ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ लोग आश्रम की कीमती संपत्तियों पर कब्जा करने की फिराक में हैं और इसी के तहत साधु-संतों और बटुकों के खिलाफ साजिश रची जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और स्थानीय पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है और मांग की है कि इस मामले में सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

31मई तक अवैध अतिक्रमण हटा लेने का याची को मिला समय

तहसीलदार के क्षतिपूर्ति व खर्च लगाने का आदेश रद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भदोही ज्ञानपुर तहसील में गाटा संख्या 104रकबा 0.108हेक्टेयर पर याची द्वारा 31मई 26तक अवैध अतिक्रमण हटाने के आश्वासन के बाद तहसीलदार ज्ञानपुर के 11अगस्त 25के 32800रुपए क्षतिपूर्ति व 1000रुपए खर्च की भरपाई करने के आदेश को रद कर दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि याची 10मार्च तक जिलाधिकारी भदोही को 31मई तक अतिक्रमण हटा लेने का आश्वासन पत्र दे । कोर्ट ने कहा यदि आश्वासन का पालन नहीं किया जाता तो बलपूर्वक याची का अतिक्रमण हटा दिया जाय।

यह आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया ने जय शंकर की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। याचिका पर अधिवक्ता अतुल कुमार पांडेय ने बहस की। तहसीलदार ज्ञानपुर ने राजस्व संहिता की धारा 67की कार्यवाही करते हुए याची को अवैध अतिक्रमण हटाने की नोटिस दी और आदेश दिया कि पाली तालुका कोध की विवादित जमीन से याची की बेदखली कर क्षतिपूर्ति वसूली जाय। जिसके खिलाफ याची ने जिलाधिकारी के समक्ष अपील दाखिल की।जिसे खारिज करते हुए जिलाधिकारी ने कहा याची अतिक्रमण हटा लें अन्यथा बलपूर्वक हटा दिया जायेगा।जिसे हाईकोर्ट में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान याची ने राहत न मिलते देख खुद ही अतिक्रमण हटा लेने का आश्वासन देते हुए कोर्ट से समय मांगा।जिसपर कोर्ट ने 31मई तक अतिक्रमण हटा लेने का समय दिया है।

श्री कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा की बैठक में लिया गया निर्णय

श्री कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा की बैठक में लिया गया निर्णय

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। श्री कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा प्रयाग (पंजीकृत) की सामान्य बैठक आज सनातन टावर हाशिमपुर रोड, (कमला नेहरू अस्पताल के सामने) पर हुई। अध्यक्षता विजय कुमार तिवारी ने किया। बैठक में होली मिलन समारोह पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान यूजीसी बिल के अन्यायपूर्ण प्रावधानों पर सरकार से मांग कि गयी शिक्षा से जुड़े इस संवेदनशील विषय पर जनभावनाओं की अनदेखी ना की जाए। सभी सवर्ण समाज से अनुरोध है कि इस बिल के विरोध में एकजुट होकर समर्थन दे, ताकि आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित रह सके। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि अन्याय के खिलाफ आवाज उठाना हमारा अधिकार है इसलिए सरकार से अनुरोध है कि इस यूजीसी बिल को तत्काल वापस ले। बैठक में शैलेन्द्र अवस्थी , देवराज पाठक , राजाराम शुक्ल सचिन तिवारी , ब्रजबली तिवारी , अजय अग्निहोत्री, अनंत अग्निहोत्री, चन्द्रिका प्रसाद त्रिपाठी , मदन गोपाल मिश्र, अरुणेंद्र दीक्षित ,अजय अवस्थी , प्रेम अग्निहोत्री , परविंद्र कुमार द्विवेदी आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किया। न्यायमूर्ति राकेश तिवारी के निधन पर मौन रहकर शोक व्यक्त किया गया । धन्यवाद ज्ञापन सचिन तिवारी ने दिया।

प्रयागराज में आज 3994 स्थानों पर जलेगी होलिका

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। रंगों के पर्व होली से पूर्व सोमवार को जिले में 3994 स्थानों पर होलिका दहन होगा। इसे लेकर पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा इंतजाम किया है। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक होलिका स्थल सज चुके हैं। होलिका दहन समितियों ने अंतिम तैयारियां पूरी कर ली हैं।

पुलिस के अनुसार नगर जोन में 849, गंगानगर में 1646 और यमुनानगर में 1499 स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा। भीड़ और पूर्व घटनाओं को देखते हुए 114 स्थानों को संवेदनशील घोषित किया गया है, जहां अतिरिक्त सतर्कता बरती जाएगी। संवेदनशील घोषित इलाकों में जार्जटाउन, मुट्ठीगंज, खुल्दाबाद, लकड़मंडी, कोतवाली, करेली, नवाबगंज, मऊआइमा और मांडा सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। इन स्थानों पर क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) की तैनाती की गई है। प्रत्येक टीम में दो दरोगा और पांच आरक्षी शामिल हैं। आईट्रिपलसी के माध्यम से कुल 1146 सीसीटीवी कैमरों व ड्रोन से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा मोबाइल पुलिस टीम को भी अलर्ट मोड में रखा गया है।

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ, आपत्तिजनक या अफवाह फैलाने वाले पोस्ट पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। साइबर सेल को विशेष रूप से सक्रिय किया गया है। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि किसी भी भ्रामक संदेश को शेयर न करें। शांति व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें

पुलिस अधिकारियों ने विभिन्न होलिका दहन स्थलों का भ्रमण कर आयोजक कमेटियों को दिशा-निर्देश दिए हैं।

ज्वलनशील सामग्री, विद्युत तारों की सुरक्षा, अग्निशमन व्यवस्था और भीड़ प्रबंधन को लेकर विशेष सावधानी बरतने को कहा गया। सभी थाना प्रभारियों और पुलिस टीमों को चौबी घंटे अलर्ट रहने का निर्देश दिया गया है।

धूमनगंज में राड, लाठी-डंडे से जानलेवा हमला, तीन जख्मी

कार से कुचलने का प्रयास, दी जान से मारने की धमकी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । धूमनगंज थाना क्षेत्र में दो भाई एवं उनके दोस्त पर लोहे की राड, लाठी-डंडे से जानलेवा हमला कर दिया गया जिससे तीनों जख्मीहो गये। इतना ही नहीं कार से कुचलने की कोशिश की गयी इसके बाद आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गये। पुलिस सूरज, मकुल सोनकर, दीपक एवं दो अन्य अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी है।

धूमनगंज के हरवारा निवासी मोहम्मद अली उर्फ मुन्ना ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि २६ फरवरी की रात वह अपने भई नवीलअहमद को बुलाने गये थे। आरोप है कि वहां पर पहले से ही मौजूद उक्त आरोपितों ने लोहे की राड, लाठी-डंडे से जानलेवा हमला कर जख्मी कर दिया। उसका भाई बचाने आया तो उसके सर पर राड से हमला किया जिससे उसका सर फट गया। घटना को देखकर पीड़ित का दोस्त ने बीचबचाव करना चाहा तो उन्हें भी पीटा गया। तीनों जान बचाकर धूमनगंज थाने की ओर भागे तो आरोपित कार से कुचलने की कोशिश की। धमकी दी कि अब इधर दिखे तो जान से हाथ धोना पड़ेगा। इस घटना में पीड़ित के दस हजार रुपये मोबाइल व पर्स गिर गया। धूमनगंज पुलिस का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रहीहै।

हण्डिया पुलिस द्वारा अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 4 अवैध देशी बम बरामद

सबसे तेज प्रयागराज हंडिया। पुलिस आयुक्त व अपर पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा देर रात को अभियुक्त रामू यादव पुत्र स्व0 फूलचन्द्र यादव निवासी ग्राम रसार थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत बरौत स्थित माधोपुर नहर पुलिया के पास से 04 अवैध देशी बम के साथ गिरफ्तार किया गया ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम

चौकी प्रभारी बरौत विवेक कुमार राय. उ0नि0 अनूप वर्मा, . उ0नि0 राजन पाल, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

गंगानगर पुलिस उपायुक्त ने लालगोपालगंज क्षेत्र का किया भ्रमण, शांति सद्भाव से मनाएं होली

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा होली त्योहार के दृष्टिगत आम जनमानस में सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करने हेतु थाना नवाबगंज क्षेत्र के लालगोपालगंज में साम्प्रदायिक संवेदनशील क्षेत्रों, प्रमुख बाजारों, चौराहों पर भारी पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया। अराजक, उपद्रवियों व शरारती तत्वों को चेतावनी दी गई। कहा गया कि त्योहारों को शांति व सौहार्द पूर्वक मनाये जाने में विघ्न पैदा न करे अन्यथा कठोर विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव, प्रभारी निरीक्षक नवाबगंज राघवेंद्र सिंह मय फोर्स मौजूद रहे।

एडीजी प्रकाश डी बने डीजी

सबसे तेज प्रयागराज प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और वर्तमान में एडीजी रेलवे के पद पर कार्यरत प्रकाश डी का प्रमोशन पुलिस महानिदेशक के पद पर हुआ।

प्रकाश डी वर्ष 1994 बैच के आईपीएस हैं। उनकी इस उपलब्धि और गौरवपूर्ण पदोन्नति पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अधीनस्थ कर्मचारियों द्वारा हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

सेरेब्रल पाल्सी प्रभावित बच्चों ने खेली फूलों से होली

त्रिशला फाउंडेशन ने रचा संवेदनशीलता का यादगार उत्सव

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। त्रिशला फाउंडेशन की ओर से सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों के जीवन में आत्मविश्वास, सम्मान और खुशियों के रंग भरने के उद्देश्य से होली मिलन समारोह का आयोजन रविवार को कर्नलगंज इंटर कॉलेज मैदान, टैगोर टाउन में हर्षोल्लास और भावनात्मक वातावरण में संपन्न हुआ।

यह आयोजन केवल होली का पर्व नहीं रहा, बल्कि समावेशन, संवेदना और सामाजिक एकता का एक सशक्त संदेश बनकर उभरा। कार्यक्रम में सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों, उनके अभिभावकों, त्रिशला फाउंडेशन परिवार एवं शहर के अनेक गणमान्य शुभचिंतकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूरे परिसर में वृंदावन की परंपरा के अनुसार फूलों की होली ने भक्तिमय और आनंदमय वातावरण बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ त्रिशला फाउंडेशन के कोषाध्यझ रमाशंकर ने मंच से उपस्थित सभी लोगों को वैदिक मंत्रोचारण से आशीर्वाद प्रदान किया। त्रिशला फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन एवं सचिव डॉ. वारिदमाला जैन ने बच्चों एवं अभिभावकों को आशीर्वचन एवं प्रेरणादायी संबोधन के साथ किया। दोनों पदाधिकारियों ने अभिभावकों के संघर्ष, धैर्य और समर्पण की सराहना करते हुए बच्चों को आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाने का संदेश दिया।

आशीर्वाद के बाद कार्यक्रम ने सांस्कृतिक रंगों की सुंदर उड़ान भरी। मंचीय प्रस्तुतियों की शुरूआत गणेश वंदना से हुई, जिसने पूरे वातावरण को

भक्तिमय बना दिया। सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों ने अपनी प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। बच्चों के डांस, ग्रुप डांस, गायन, शायरी, चुटकुलें विशेषतः सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित कृष्णा विट्ठल साकरे ने रैपिंग और बीट बॉक्सिंग जैसे अद्भुत प्रदर्शन से सभी का दिल जीत लिए और यह सिद्ध कर दिया कि

प्रतिभा किसी शारीरिक सीमा की मोहताज नहीं होती। सेरेब्रल पाल्सी बच्चों एवं उनके अभिभावकों के जीवन के संघर्ष पर आधारित एक नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिसने सभी की आखें नम कर दी एवं होली की विशेष जोगीरा गायन ने भी लोगों का खूब मनोरंजन किया।

कार्यक्रम का एक अत्यंत भावनात्मक और विशिष्ट आकर्षण यह रहा कि देश के विभिन्न राज्यों से आए अभिभावकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, जिनमें उन्होंने अपने-अपने प्रदेश की संस्कृति, लोकनृत्य और परंपराओं को मंच पर जीवंत किया। इन प्रस्तुतियों ने "एक भारत–श्रेष्ठ भारत" की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत किया और दर्शकों की खूब सराहना प्राप्त की।

फूलों की होली बनी कार्यक्रम की आत्मा - सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों द्वारा खेली गई फूलों की होली, जिसने मंच को मानो वृंदावन की होली में परिवर्तित कर दिया। रंग-बिरंगे फूलों, उजार्वान संगीत और बच्चों की मुस्कान ने अतिथियों और अभिभावकों को भावनाओं से भर दिया। यह दृश्य प्रयागराज में आयोजित त्रिशला फाउंडेशन के इस मंच को विशेष पहचान दे गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. जितेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि "त्रिशला सीपी विलेज — फेज 1" का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। साथ ही, सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों के पुनर्वास के विभिन्न तरीकों की समुचित सुविधाओं से सुसज्जित एवं आवासीय व्यवस्था वाले "त्रिशला सीपी होम" की शुरूआत इसी वर्ष किए जाने की योजना है। उन्होंने बताया कि सीपी गांव के संचालन की जिम्मेदारी, पूर्व से कार्य देख रहे रविंद्र एवं प्रदीप शुक्ल के साथ-साथ दिव्यांगता के क्षेत्र में कार्यरत राष्ट्रीय संस्था "सक्षम" के पूर्व राष्ट्रीय सचिव कमलाकांत को सौंपी गई है।

संपादकीय

नवाचार की शक्ति: रमन के सवाल से विज्ञान के संकल्प तक

28 फरवरी का दिन पूरे भारत के लिए गौरव और आत्मसम्मान का प्रतीक है, क्योंकि आज हम राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मना रहे हैं। यह दिन महान भारतीय भौतिक विज्ञानी सर सी.वी. रमन की उस अद्भुत खोज रमन प्रभाव को समर्पित है, जिसने पूरी दुनिया की वैज्ञानिक समझ को एक नई दिशा दी और भारत को भौतिकी के क्षेत्र में पहला नोबेल पुरस्कार दिलाया। अक्सर हम विज्ञान को केवल बंद कमरों की प्रयोगशालाओं और जटिल सूत्रों का समूह मान लेते हैं, लेकिन वास्तव में विज्ञान हमारी जिज्ञासा और सत्य की खोज का दूसरा नाम है। सर रमन का सफर हमें सिखाता है कि बड़े आविष्कारों के लिए केवल महंगे उपकरणों की नहीं, बल्कि एक पैनी नजर और कुछ नया सोचने के जुनून की जरूरत होती है। समुद्र के पानी का रंग नीला क्यों होता है, इस एक साधारण से सवाल ने उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी खोजों में से एक तक पहुँचा दिया। यह जानना दिलचस्प है कि जिस उपकरण से उन्होंने इतनी बड़ी खोज की, उसकी कुल लागत उस समय मात्र 200 रुपये के आसपास थी, जो आज के युग के लिए एक बड़ी प्रेरणा है कि आविष्कार बजट से नहीं बल्कि बुद्धि से होते हैं। अक्सर लोग समझते हैं कि आज सर रमन का जन्मदिन है, लेकिन असल में 28 फरवरी वह तारीख है जिस दिन उन्होंने अपनी खोज की घोषणा की थी, इसीलिए भारत सरकार ने 1986 में इस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मान्यता दी।

आज जब हम 21वीं सदी के भारत की बात करते हैं, तो विज्ञान और तकनीक इसके सबसे मजबूत स्तंभ बनकर उभरे हैं। अंतरिक्ष की गहराइयों को नापने वाले हमारे चंद्रयान और मंगलयान मिशन से लेकर वैश्विक महामारी के दौरान रिकॉर्ड समय में तैयार की गई स्वदेशी वैक्सीन तक, भारतीय वैज्ञानिकों ने बार-बार यह साबित किया है कि नवाचार ही आत्मनिर्भरता का असली रास्ता है। विज्ञान का असली उत्सव तब सफल होता है जब इसकी पहुँच खेतों में काम करने वाले किसान से लेकर स्कूल में पढ़ने वाले एक साधारण विद्यार्थी तक हो। हमें यह समझना होगा कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण का अर्थ केवल डिग्री हासिल करना नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त अंधविश्वासों को तर्क की कसौटी पर परखना और समस्याओं के रचनात्मक समाधान खोजना है। आज भारत जिस तरह से स्टार्टअप्स और डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है, उसमें युवाओं की भूमिका सबसे अहम है। नवाचार केवल नई मशीनों को बनाना नहीं है, बल्कि कम संसाधनों में बेहतर जीवन जीने के तरीके खोजना भी है। आज हमारे सामने ग्लोबल वार्मिंग, प्रदूषण और जल संकट जैसी बड़ी चुनौतियां खड़ी हैं, जिनका सामना हम पुरानी सोच से नहीं बल्कि वैज्ञानिक चेतना से ही कर सकते हैं। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में हो रहे नए प्रयोग इस बात का प्रमाण हैं कि विज्ञान ही भविष्य की सुरक्षा की गारंटी है।

विज्ञान की सार्थकता तभी है जब वह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के इस दौर में हमें मानवीय संवेदनाओं और वैज्ञानिक प्रगति के बीच एक संतुलन बनाना होगा।

हमें अपने ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान मेलों और प्रयोगशालाओं का जाल बिछाना होगा ताकि गाँवों की प्रतिभा को भी पंख मिल सकें।

विदेश भेजने की होड़ और बदलती मानसिकता

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय समाज में एक नई प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है—बेटे-बेटियों को विदेश भेजने की होड़। कभी पढ़ाई के नाम पर, कभी नौकरी के नाम पर, तो कभी बेहतर जीवन के सपने के साथ। कई परिवारों में यह एक उपलब्धि की तरह प्रस्तुत किया जाता है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। किसी का कनाडा जाना, किसी का ऑस्ट्रेलिया या यूरोप जाना—यह सब मानो सफलता की पहचान बन गया है। धीरे-धीरे यह धारणा बनती जा रही है कि यदि भविष्य बनाना है तो विदेश जाना ही पड़ेगा।

लेकिन यह सवाल गंभीरता से पूछने की जरूरत है कि क्या वास्तव में भारत में अवसरों की कमी है। क्या इस देश में प्रतिभा के लिए जगह नहीं बची? या फिर हम स्वयं अपने देश की संभावनाओं को कम आंकने लगे हैं?

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। तकनीक, उद्योग, सेवा क्षेत्र, स्टार्टअप, शिक्षा और शोध के क्षेत्र में लगातार नए अवसर पैदा हो रहे हैं। दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं। लाखों युवाओं को रोजगार मिल रहा है। छोटे शहरों और कस्बों से निकलकर युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। ऐसे में यह मान लेना कि भविष्य केवल विदेश में ही है, एक अधूरी और जल्दबाजी वाली सोच लगती है।

विदेश जाने की एक बड़ी वजह शिक्षा भी है। कई छात्र यह सोचकर विदेश जाते हैं कि वहाँ की पढ़ाई बेहतर है या वहाँ अवसर अधिक हैं। कुछ मामलों में यह सही भी हो सकता है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कई छात्र केवल इसलिए विदेश चले जाते हैं क्योंकि उन्हें भारत में मनचाहे कॉलेज या कोर्स में प्रवेश नहीं मिल पाता। प्रतियोगिता कठिन है, सीटें सीमित हैं, और हर किसी को प्रतिष्ठित संस्थानों में जगह नहीं मिल पाती। ऐसे में विदेश जाना एक विकल्प बन जाता है। लेकिन इस विकल्प को सामाजिक प्रतिष्ठा का प्रतीक बना देना चिंताजनक है।

आज स्थिति यह हो गई है कि कई जगहों पर माता-पिता अपने बच्चों को विदेश भेजने को लेकर एक तरह का दबाव महसूस करते हैं। रिश्तेदारों, परिचितों और समाज के बीच यह दिखाने की कोशिश होती है कि उनका बच्चा विदेश में पढ़ रहा है या काम कर रहा है। कई बार परिवार अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खर्च उठाकर भी बच्चों को विदेश भेज देते हैं। शिक्षा ऋण, कर्ज और आर्थिक बोझ के बावजूद यह निर्णय केवल इसलिए लिया जाता है क्योंकि समाज में इसे प्रतिष्ठा से जोड़ दिया गया है। सोशल मीडिया ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ाया है।

इंटरनेट पर विदेश में रहने वाले युवाओं की चमकदार तस्वीरें दिखाई देती हैं—खूबसूरत शहर, शानदार जीवनशैली, घूमना-फिरना, नए अनुभव। लेकिन इन तस्वीरों के पीछे का संघर्ष अक्सर दिखाई नहीं देता। विदेश में जीवन आसान नहीं होता। वहाँ भी कठिन परिश्रम करना पड़ता है, अकेलेपन का सामना करना पड़ता है और कई बार ऐसे काम भी करने पड़ते हैं जिनकी कल्पना भारत में रहते हुए नहीं की जाती। लेकिन यह सच्चाई अक्सर तस्वीरों और वीडियो के पीछे छिप जाती है।

समस्या विदेश जाने में नहीं है। समस्या उस मानसिकता में है जिसमें विदेश को सफलता का पर्याय बना दिया गया है। दुनिया को देखने, नई शिक्षा और अनुभव प्राप्त करने के लिए विदेश जाना एक अच्छा अवसर हो सकता है। कई भारतीय छात्र विदेश में उच्च शिक्षा लेकर नई तकनीक और ज्ञान प्राप्त करते हैं और बाद में देश के विकास में योगदान भी देते हैं। लेकिन जब यह निर्णय समझदारी के बजाय भीड़ का हिस्सा बनकर लिया जाता है, तब कई बार परिणाम निराशाजनक भी हो सकते हैं।

भारत की सबसे बड़ी ताकत उसका युवा वर्ग है। आज का युवा पहले से अधिक जागरूक, शिक्षित और तकनीक से जुड़ा हुआ है। स्टार्टअप संस्कृति तेजी से बढ़ रही है। छोटे शहरों के युवा भी बड़े सपने देख रहे हैं और उन्हें पूरा करने के लिए मेहनत कर रहे हैं। डिजिटल युग में अवसरों की सीमाएँ पहले जैसी नहीं रहीं। आज भारत में बैठकर भी दुनिया के साथ काम किया जा सकता है।

जरूरत इस बात की है कि हम अपने बच्चों को सक्षम बनाएं। उन्हें ऐसी शिक्षा दें जो उन्हें आत्मनिर्भर बनाए, उनमें कौशल विकसित करे और जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति दे। अगर युवा योग्य होंगे तो उन्हें अवसर कहीं भी मिल सकते हैं—भारत में भी और विदेश में भी। लेकिन यदि केवल स्थान बदलने से सफलता की उम्मीद की जाएगी, तो यह सोच लंबे समय तक टिक नहीं पाएगी।

समाज को भी अपनी सोच पर विचार करने की आवश्यकता है। विदेश जाना न तो असंभव उपलब्धि है और न ही सफलता का एकमात्र रास्ता। उसी तरह भारत में रहना असफलता नहीं है।

हमारे देश ने हर क्षेत्र में प्रतिभाएँ दी हैं—विज्ञान, साहित्य, खेल, राजनीति, उद्योग और तकनीक में। दुनिया के कई बड़े मंचों पर भारतीय अपनी पहचान बना चुके हैं। यह सब यहीं से शुरू हुआ है।

एक और चिंता का विषय प्रतिभा का देश से बाहर जाना भी है। कई वर्षों तक ब्रेन ड्रेन की चर्चा होती रही है। हालांकि अब स्थिति बदल रही है और कई लोग विदेश से अनुभव लेकर वापस भी लौट रहे हैं। फिर भी यह जरूरी है कि देश का युवा अपने देश की संभावनाओं पर विश्वास बनाए रखे। अगर योग्य लोग ही देश से दूर चले जाएंगे, तो विकास की गति भी प्रभावित हो सकती है।

माता-पिता, शिक्षक और समाज—तीनों की भूमिका यहाँ महत्वपूर्ण है। बच्चों को यह समझाना जरूरी है कि सफलता किसी देश की मोहताज नहीं होती। असली पहचान मेहनत, ज्ञान और चरित्र से बनती है। विदेश जाना यदि शिक्षा और अनुभव के लिए है तो यह अच्छी बात है, लेकिन केवल दिखावे या सामाजिक दबाव के कारण लिया गया निर्णय कई बार भारी पड़ सकता है।

आज जरूरत है संतुलित सोच की। हमें अपने युवाओं को यह बताना होगा कि दुनिया खुली है, अवसर हर जगह हैं, लेकिन अपने देश की ताकत और संभावनाओं को कम नहीं आंकना चाहिए। भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि संभावनाओं की एक विशाल भूमि है। यहाँ चुनौतियाँ भी हैं और अवसर भी। फर्क केवल दृष्टिकोण का है।

अगर हम अपने बच्चों को योग्य, आत्मविश्वासी और मेहनती बनाएँगे, तो उन्हें आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता—चाहे वे भारत में रहें या विदेश जाएँ। लेकिन यदि हम केवल भीड़ का हिस्सा बनकर निर्णय लेते रहेंगे, तो शायद हम अपने ही आत्मविश्वास को कमजोर करते रहेंगे।

विदेशी विश्वविद्यालय: शिक्षा का वैश्वीकरण या नई असमानता की शुरूआत

राजेश जैन

हाल ही में खबर आई थी कि नौ ब्रिटिश विश्वविद्यालय भारत में अपने कैंपस स्थापित करने की तैयारी कर रहे हैं। भारत के उच्च शिक्षा परिदृश्य में यह टर्निंग पॉइंट 2023झ24 से आया था। तभी से दुनिया के नामी विश्वविद्यालयों ने हमारे देश की जमीन पर अपने स्वतंत्र कैंपस खोलना शुरू किया। यह बदलाव यूँ ही नहीं आया। इसके पीछे है यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन के फॉरेन हायर एजुकेशनल इंस्टिट्यूशंस रेगुलेशंस- 2023 और नेशनल एजुकेशन पॉलिसी- 2020 की वह सोच, जिसमें भारत को वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने का सपना देखा गया है।

आज यह सपना धीरे-धीरे हकीकत में बदल रहा है। ऑस्ट्रेलिया की डीकिन यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ वोलोंगोंग ने गुजरात में पढ़ाई शुरू करवा दी है। ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन, गुरुग्राम में अपना कैंपस खोल चुकी है। हैंइलिनॉय इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी,यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल, यूनिवर्सिटी ऑफ यॉर्क, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी, कोवेंट्री यूनिवर्सिटी और क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट को भारत में कैंपस खोलने के लिए लेटर ऑफ इंटेंट मिल चुका है। सवाल यह नहीं है कि विदेशी विश्वविद्यालय आ रहे हैं। असली सवाल है-इससे भारत को क्या मिलेगा, क्या खो सकता है और इसे कैसे संतुलित किया जाए?

भारत इसलिए बना विदेशी विश्वविद्यालयों का नया ठिकाना

भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा युवा बाजार है। 30 वर्ष से कम उम्र की आबादी 50% से ज्यादा है, लेकिन उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात अभी भी लगभग 30% के आसपास है। यानी करोड़ों युवा ऐसे हैं, जो बेहतर शिक्षा के मौके तलाश रहे हैं। दूसरी ओर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों के विश्वविद्यालय घरेलू नामांकन में ठहराव और सरकारी फंडिंग में कटौती झेल रहे हैं। हालिया वीजा सख्ती ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या भी प्रभावित की है। ऐसे में भारत उनके लिए हाई-पोटेंशियल मार्केट बनकर उभरा है। यहां अंग्रेजी बोलने वाले छात्र हैं, उभरता मध्यम वर्ग है और अंतरराष्ट्रीय डिग्री की मजबूत मांग है। आसान शब्दों में कहें तो यह विन-विन मॉडल है-विदेशी संस्थानों को नया बाजार, भारत को ग्लोबल एजुकेशन का एक्सेस।

घर बैठे मिलेगी विदेशी डिग्री

सबसे बड़ा फायदा है-घर बैठे विदेशी डिग्री। अब भारतीय छात्रों को मास्टर्स या स्पेशलाइज्ड कोर्स के लिए विदेश जाने, लाखों की फीस, वीजा तनाव और महंगे जीवन-यापन का सामना नहीं करना पड़ेगा। अनुमान है कि भारत में वही डिग्री 25झ30% कम लागत में मिल सकेगी। इसके साथ उनको अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम, इंडस्ट्री-फोकस्ड ट्रेनिंग, ग्लोबल फैकल्टी एक्सपोजर, बेहतर रिसर्च कल्चर भी मिलेंगे। बिजनेस एनालिटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, फिनटेक, कंप्यूटिंग जैसे कोर्स सीधे भविष्य की नौकरियों से जुड़े हैं। इससे स्किल गैप कम हो सकता है और भारतीय ग्रेजुएट्स की ग्लोबल एम्प्लॉयबिलिटी बढ़ सकती है।

प्रतिभा पलायन पर लगेगी रोक

2019 में करीब 5.8 लाख भारतीय छात्र विदेश गए थे। 2023 में यह संख्या 9 लाख तक पहुंच गई। इनमें से 75% से ज्यादा वहीं बसने की इच्छा रखते हैं। इसका मतलब-देश से प्रतिभा भी जा रही है और अरबों डॉलर विदेशी मुद्रा भी। अगर यही गुणवत्ता भारत में उपलब्ध हो जाए, तो ब्रेन ड्रेन की जगह ब्रेन रिटेंशन संभव है। विदेशी कैंपस देश के भीतर ही अंतरराष्ट्रीय माहौल तैयार कर सकते हैं।

रिसर्च और अकादमिक सुधार का मौका

विदेशी विश्वविद्यालय सिर्फ क्लासरूम नहीं लाते-वे साथ लाते हैं रिसर्च कल्चर, गवर्नेंस मॉडल और अकादमिक डिसिप्लिन। संयुक्त रिसर्च सेंटर, फैकल्टी एक्सचेंज और साझा प्रोजेक्ट्स के जरिये भारतीय संस्थानों की क्षमता बढ़ सकती है। पहले से ही भारत के पास मजबूत आधार है-जैसे इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी बॉम्बे, इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ साइंस बेंगलुरु और यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली जैसे संस्थान। सही सहयोग हुआ तो भारत सिर्फ स्टूडेंट-सोर्स देश नहीं रहेगा, बल्कि नॉलेज-प्रोड्यूसर बनेगा।

कुछ चिताएं भी हैं

सबसे बड़ी चिंता है-वहनीयता। विदेशी कैंपस की फीस भले विदेश से कम हो, लेकिन भारतीय औसत आय के हिसाब से यह अभी भी बहुत ज्यादा है।

खतरा यह है कि ये संस्थान सिर्फ अमीर वर्ग तक सीमित रह जाएं। इससे शिक्षा में सामाजिक असमानता और गहरी हो सकती है-जो नई शिक्षा नीति- 2020 के समावेशी शिक्षा के लक्ष्य के खिलाफ है।

दूसरी चुनौती है-व्यावसायीकरण। अगर रेगुलेशन कमजोर रहा, तो कुछ विदेशी संस्थान शिक्षा को प्रोडक्ट की तरह बेच सकते हैं। चीन और दक्षिण-पूर्व एशिया के उदाहरण बताते हैं कि कम नामांकन और ऊंची लागत के कारण कई विदेशी कैंपस कुछ साल में बंद भी हो गए।

तीसरा मुद्दा है-स्थानीय प्रासंगिकता। अगर पाठ्यक्रम भारतीय सामाजिक-आर्थिक जरूरतों से कटे रहे, स्थानीय फैकल्टी शामिल न हो और इंडियन कॉन्टेक्स्ट गायब हो तो ये कैंपस एलिट आइलैंड बनकर रह जाएंगे।

स्क्रीन के उस पार गिरती ज़िंदगियाँ

प्रफुल्ल पलसुलेदेसाई

गाज़ियाबाद की हालिया घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा किया है कि क्या भारत का डिजिटल विस्तार, विशेषकर ऑनलाइन गेमिंग का तेजी से बढ़ता प्रभाव, पर्याप्त सामाजिक और नीतिगत निगरानी के साथ आगे बढ़ रहा है। तीन नाबालिग बहनों की मृत्यु और उसी समय हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में एक किशोर की आत्महत्या को केवल व्यक्तिगत त्रासदियों के रूप में देखना वास्तविकता से मुँह मोड़ना होगा। ये घटनाएँ उस संरचनात्मक चूक की ओर इशारा करती हैं, जिसमें तकनीक तो तेजी से आगे बढ़ गई, लेकिन उसके दुष्प्रभावों से निपटने की तैयारी पीछे छूट गई।

गाज़ियाबाद में नौवीं मंज़िल से कूदकर जान देने वाली तीनों बहनें बारह, चौदह और सोलह वर्ष की थीं। यह उम्र वह होती है, जहाँ भावनात्मक अस्थिरता, पहचान की तलाश और बाहरी प्रभावों के प्रति आकर्षण सबसे अधिक होता है। प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार, वे एक ऑनलाइन कोरियन गेम में अत्यधिक संलग्न थीं और उसी आभासी दुनिया को भविष्य के रूप में देखने लगी थीं। यह तथ्य अपने आप में कोई अपराध नहीं है, लेकिन यह अवश्य दर्शाता है कि किशोर मन किस तरह डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से प्रभावित हो रहा है—और किस हद तक।

लगभग उसी समय कुल्लू में पंद्रह वर्षीय छात्र द्वारा आत्महत्या की खबर सामने आई। बताया गया कि वह अपने एक विदेशी ऑनलाइन मित्र से बिछड़ने के बाद अवसाद में था। यह घटना यह स्पष्ट करती है कि आभासी रिश्ते अब केवल मनोरंजन या समय बिताने का साधन नहीं रहे, बल्कि कई मामलों में वे भावनात्मक सहारे का स्थान लेने लगे हैं। जब यह सहारा अचानक टूटता है, तो परिणाम घातक हो सकते हैं।

इन घटनाओं को जोड़कर देखने पर यह साफ होता है कि समस्या केवल ह्यगेमिंग की लतह्व तक सीमित नहीं है। यह एक व्यापक सामाजिक और नीतिगत चुनौती है। झाबुआ, भोपाल, इंदौर और देश के अन्य हिस्सों से समय-समय पर सामने आई घटनाएँ बताती हैं कि डिजिटल दुनिया, विशेषकर बिना नियंत्रण के उपयोग की स्थिति में, किशोरों को सामाजिक अलगाव, भावनात्मक असुरक्षा और जोखिमपूर्ण व्यवहार की ओर धकेल सकती है।

यह स्पष्ट करना जरूरी है कि ऑनलाइन गेमिंग या तकनीक अपने आप में शत्रु नहीं हैं। तकनीक ने शिक्षा, संचार और सूचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व अवसर दिए हैं। लेकिन जब यही तकनीक बिना उम्र-आधारित सीमाओं, बिना समय-सीमा और बिना मानसिक स्वास्थ्य सुरक्षा तंत्र के बच्चों तक पहुँचती है, तो वह विकास के साधन से खतरे के उपकरण में बदल सकती है। दिल्ली के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. समीर पारिख पहले ही यह चेतावनी दे चुके हैं कि अत्यधिक स्क्रीन-निर्भरता किशोरों में आवेग नियंत्रण को कमजोर करती है और जोखिम का आकलन करने की क्षमता को प्रभावित करती है। हालिया घटनाएँ इस चेतावनी को अनदेखा किए जाने की कीमत दशार्ती हैं।

इस पूरे परिदृश्य में परिवार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है, लेकिन उसे अकेला दोषी ठहराना उचित नहीं होगा। यह सही है कि आज कई घरों में संवाद की कमी है और स्मार्टफोन बच्चों की चुप्पी का आसान समाधान बन गया है। यह भी सच है कि अचानक सख्ती—बिना संवाद के—टकराव को जन्म देती है। लेकिन इन पारिवारिक चुनौतियों को व्यापक नीतिगत विफलता से अलग नहीं किया जा सकता। जब डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों के लिए स्पष्ट सुरक्षा मानक ही नहीं होंगे, तो परिवारों से चमत्कार की अपेक्षा करना अव्यावहारिक है।

यहीं सरकार और समाज की भूमिका कसौटी पर आती है। ऑनलाइन गेमिंग उद्योग को केवल राजस्व और स्टार्टअप सफलता के चश्मे से देखना अब पर्याप्त नहीं है। यह एक ऐसा क्षेत्र बन चुका है, जिसका सीधा प्रभाव बच्चों और किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। केवल परामर्श या एडवाइजरी जारी करने से काम नहीं चलेगा। आवश्यकता है एक सख्त और स्पष्ट नियामक ढाँचे की, जिसमें गेमिंग ऐप्स के लिए अनिवार्य आयु-सत्यापन, समय-सीमा, इन-ऐप खर्च पर नियंत्रण और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चेतावनियाँ शामिल हों।

होली मनाओ, हुड़दंग मत करो

डॉ. विजय गर्ग

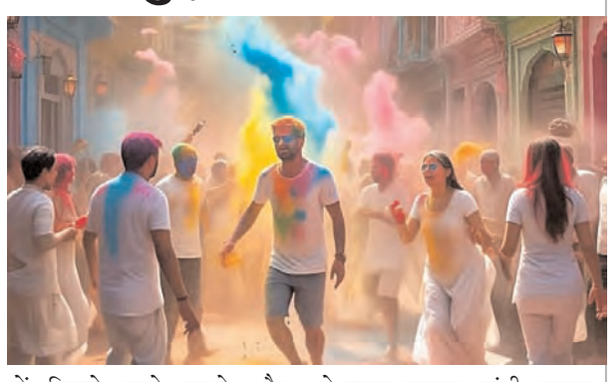

होली रंगों का त्यौहार है, खुशियों का प्रतीक है और आपसी सामुदायिक बंधन को मजबूत करने का संदेश देता है। लेकिन आजकल इस पवित्र उत्सव के मद्देनजर ह्यझगड़ेह्न की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है, जो चिंता का विषय है। हमें यह समझने की जरूरत है कि त्योहार मनाने का मतलब मर्दों को भूलना नहीं है। त्यौहार की मिठास और हमारी जिम्मेदारी होली हमें बुराई पर सत्य की विजय का एहसास कराती है। जब हम एक-दूसरे के खिलाफ बोलते हैं, तो उसके पीछे प्रेम की भावना होनी चाहिए, न कि किसी को परेशान करने की जिद। हलचल से बचने के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातेंः सहमति का सम्मानः हर कोई होली खेलना पसंद नहीं करता है। यदि किसी व्यक्ति को रंग लगाने से मना किया जाता है, तो उसकी इच्छा का सम्मान करें। जबरन रंग डालना खुशी नहीं है, बल्कि बदनामी है। रासायनिक रंगों का त्यागः आजकल बाजार में मिलने वाले पक्के और रसायन रहित रंग त्वचा और आंखों के लिए घातक हो सकते हैं। प्राकृतिक गुलाल या पुष्प होली लगाने का प्रयास करें। नशीली दवाओं से दूरीः यह अक्सर देखा जाता है कि युवा लोग होली के नाम पर नशे का सेवन करते हैं और फिर सड़कों पर भागते हैं। यह न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि जानलेवा दुर्घटनाओं का कारण भी बनता है। जल संरक्षणः जल का दुरुपयोग रोका जाना चाहिए। शुष्क होली खेलना पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सड़कों पर सभ्य व्यवहार होली के दिन तेज गति से बाइक चलाना, ऊंची आवाज में पटाखे बजाना या रास्ते पर गुब्बारे फेंकना बिल्कुल गलत है। आपका एक मिनट का ह्यमस्तीह्न किसी के लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। उत्सव वह है जो दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाता है, न कि वह जो किसी के दिल में भय पैदा करता है। होली रंगों, खुशी और भाईचारे का उत्सव है। यह त्यौहार वसंत के आगमन, नए जीवन और मानव संबंधों की मिठास का प्रतीक है। होली सिर्फ रंगों से खेलने का दिन नहीं है, बल्कि दिलों के गले मिटाकर प्रेम और समुदाय को मजबूत करने का संदेश देता है।

यूपीसिडको के मुख्य अभियंता पूर्व जोन केजी दूबे के वित्तीय अधिकार सीज

लखनऊ।
उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास निगम (यूपीसिडको) के मुख्य अभियंता (पूर्व जोन) कृष्ण गोपाल दूबे के वित्तीय अधिकार सीज कर दिए गये हैं। यह कार्यवाही उप्र सिडको के एमडी ने की।
सिडको के एमडी की ओर से शनिवार रात जारी आदेश के क्रम में बताया गया कि वित्तीय अनियमितता और निर्माण कार्यों को समयबद्ध न पूरा करा पाने के चलते चीफ इंजीनियर केजी दूबे पर यह कार्यवाही की गई है।
अग्रिम आदेशों तक अपने पद के किसी भी वित्तीय अधिकार का उपयोग केजी दूबे नहीं कर सकेंगे।

डीडीयू रेलवे स्टेशन पर 1.75 करोड़ रुपये नकद बरामद, दो गिरफ्तार

प्रयागराज।

उत्तर प्रदेश के जीआरपी दीन दयाल उपाध्याय एवं आरपीएफ की संयुक्त पुलिस टीम ने डीडीयू जंक्शन से चेकिंग दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों के कब्जे से 1,75,00,000 रुपये की नकदी बरामद की है। यह जानकारी शनिवार को पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज प्रशांत वर्मा ने दी।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के नेपियर रोड कालोनी के समीप निवासी रितेश पटेल पुत्र अशोक भाई पटेल और गुजरात के जिला आनंद में स्थित मेटपुर खंभात गांव निवासी प्रिग्नेश है। पुलिस टीम ने गिरफ्तार युवकों के कब्जे से से तीन बैगों में रखी कुल 1.75 करोड़ नकद रुपये बरामद किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस में विशेष सभा

लखनऊ।
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर जब पूरा देश भारत के महान वैज्ञानिक सर सी.वी. रमन द्वारा "रमन प्रभाव" की खोज पर प्राप्त नोबेल पुरस्कार की स्मृति में यह दिवस मना रहा था, उसी क्रम में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस, लखनऊ में एक विशेष सभा का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस वर्ष 1986 से प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विज्ञान के प्रति जागरूकता और नवाचार को बढ़ावा देना है।

कोर्ट ने किया पूर्व विधायक अजीम भाई सहित चार को दोष मुक्त

फिरोजाबाद।

न्यायालय ने शनिवार को 19 वर्ष पूर्व छात्र संघ चुनाव प्रक्रिया भंग कराने को आंदोलन कर जलूस निकाल तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के खिलाफ प्रदर्शन करने, पुतले फूंकने अराजकता के मामले में पूर्व विधायक अजीम भाई सहित 05 लोगों को दोष मुक्त किया है, जिनमें एक की मौत हो चुकी है।
मामला 18 सितंबर 2007 का है।

होली पर्व में आंख, पेट और त्वचा की सुरक्षा को लेकर लापरवाही हुई तो संकट आना तय

प्रयागराज।
रंगों का पर्व होली खुशियों का त्योहार है। आप को रंग एवं खान पान में सावधानी रखना है। यदि तनिक भी लापरवाही हुई तो आप के जीवन में संकट खड़ा हो सकता है। यह अपील रविवार को जनमानस से प्रयागराज के मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ अरुण कुमार तिवारी ने की है।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि होली का त्योहार जहां रंगों और उमंग का संदेश देता है, वहीं थोड़ी-सी लापरवाही स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी खड़ी कर सकती है। शहर के वरिष्ठ चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि उत्सव के दौरान आंखों, पेट और त्वचा की विशेष देखभाल करें, ताकि त्योहार की खुशियां सुरक्षित बनी रहें।

आंखों की सुरक्षा अतिआवश्यक
मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य एवं प्रसिद्ध नेत्र सर्जन एवं प्रोफेसर डॉ. एस.पी. सिंह कहना है कि बाजार में मिलने वाले कई रंगों में हानिकारक केमिकल मिले रहते हैं, जिनसे आंखों में जलन, लालिमा, सूजन और संक्रमण हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि कॉन्टैक्ट लेंस पहनकर होली खेलना खतरनाक हो सकता है। होली खेलने से पहले आंखों के आसपास हल्का तेल लगाएं और संभव हो तो चश्मा पहनें। यदि आंख में रंग चला जाए तो तुरंत साफ पानी से धोएं, आंखों को रगड़ें नहीं और किसी भी प्रकार की घरेलू दवा या गुलाबजल न डालें। धुंधला दिखाई देना, तेज दर्द या लगातार जलन होने पर तत्काल नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

केमिकल युक्त रंग त्वचा के लिए खतरनाक खतरा

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के स्किन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. एस.के. ओझा ने कहा कि होली में प्रयोग होने वाले रासायनिक रंग त्वचा पर एलर्जी, खुजली और रैशेज का कारण बन सकते हैं।
उन्होंने सलाह दी कि होली खेलने से पहले शरीर पर तेल या मॉइश्चराइजर लगाएं, पूरे बाजू के कपड़े पहनें और हर्बल रंगों का उपयोग करें। रंग लगने के बाद गुनगुने पानी से धीरे-धीरे साफ करें और कठोर साबुन का प्रयोग न करें। यदि त्वचा पर अधिक खुजली, सूजन या जलन होने लगे तो आप चिकित्सक से संपर्क करें।
डॉ. सिंह ने कहा, "थोड़ी-सी सावधानी से हम त्योहार की खुशी को सुरक्षित रख सकते हैं।"

होली पर्व में सावधानी से करें खानपान
गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संदीप प्रजापति ने कहा कि गुझिया, मालपुआ, दही-भल्ला और ठंडाई जैसे पारंपरिक व्यंजन होली की पहचान हैं, लेकिन अत्यधिक तला-भुना और मीठा भोजन पेट की समस्याओं को जन्म दे सकता है।
उन्होंने बताया कि ज्यादा मिठाई, ठंडाई या भांग का सेवन गैस, एसिडिटी, उल्टी-दस्त और पेट दर्द का कारण बन सकता है। उन्होंने साफ पानी पीने, बासी भोजन से बचने और ताजे फल-सलाद को आहार में शामिल करने की सलाह दी।
यदि पेट खराब हो जाए तो हल्का और सुपाच्य भोजन लें, ओआरएस या नारियल पानी का सेवन करें और समस्या बढ़ने पर चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें।

प्रभारी मंत्री की समीक्षा बैठक में उद्यान अधिकारी व दुग्ध विकास के प्रबंधक गायब, मांगा स्पष्टीकरण

मुरादाबाद।
उप्र सरकार में कैबिनेट मंत्री व मुरादाबाद जनपद के प्रभारी मंत्री अनिल कुमार की अध्यक्षता में शनिवार शाम को सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों, निर्माण कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।
समीक्षा बैठक में उद्यान अधिकारी तथा दुग्ध विकास के प्रबन्धक के अनुपस्थित रहने पर प्रभारी मंत्री ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी को संबंधित अधिकारियों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को आगामी बैठक में पूर्ण तैयारी के साथ उपस्थित होने के निर्देश दिए।
प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अधिकारी प्रत्येक कार्यदिवस में 10 बजे से 12 बजे तक कार्यालय में बैठकर प्रभावी रुप से जनसुनवाई करें यह शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारीगण सीयूजी नम्बर पर आने वाली फोन कॉल जरूर रिसीव करें और यदि व्यस्त हैं तो बाद में रिटर्न कॉल अवश्य करें।
उन्होंने जिलाधिकारी से कहा कि नये विकास कार्यों के प्रस्ताव जनप्रतिनिधियों से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध करा दें। प्रभारी मंत्री ने कहा कि संगठित अपराध में कड़ी कार्यवाही की जाये तथा साइबर क्राइम की घटनाओं में वृद्धि हुई है, इस पर निगरानी एवं सतर्कता रखी जायें।
प्रभारी मंत्री ने कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए जानकारी प्राप्त की। उप निदेशक कृषि ने बताया कि किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत जनपद में 342516 किसान लाभान्वित हुए है तथा फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 1419 को योजना से लाभान्वित किया गया है।

सड़क हादसे में भाई – बहन की मौत

नोएडा।
थाना जारचा क्षेत्र में बीती रात को हुए एक सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार भाई-बहन की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना से आक्रोशित लोगों ने सड़क पर जाम लगाने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें समझा कर वापस भेज दिया।
पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह

के मीडिया प्रभारी ने बताया कि थाना जारचा क्षेत्र के बिसाहढा दादरी रोड पर चद्दर फैक्ट्री के पास शनिवार की देर रात को मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे हैं नवीन पुत्र राकेश कुमार उम्र करीब 35 वर्ष निवासी ग्राम प्यावली ताजपुर थाना जारचा तथा उनकी बहन प्रियांशी पुत्री राकेश कुमार उम्र 18 वर्ष को एक अज्ञात वाहन चालक ने टक्कर मार दिया। इस घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर वहां पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि परिजनों ने रविवार को घटना की शिकायत थाना पुलिस से की है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला होते हैं विद्यालय : यतीन्द्र

गोरखपुर।
विवेकपुरम (फुलवरिया) स्थित शताब्दी सरस्वती शिशु मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को नवीन विद्यालय भवन का भव्य लोकार्पण एवं रामचरितमानस पाठ का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। प्रातः 11:30 बजे आरंभ हुए इस कार्यक्रम में शिक्षा और संस्कार के समन्वय का प्रेरक दृश्य उपस्थित जनसमूह ने देखा।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना से हुआ। छात्र-छात्राओं द्वारा प्रस्तुत वंदे भारती नृत्य, कुटुंब प्रबोधन, राष्ट्रभक्ति पर आधारित नृत्य-नाटक तथा वंदे मातरम् की सामूहिक प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभावना से ओतप्रोत कर दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में भारतीय परंपरा, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक एकात्मता का प्रभावी संदेश दिया गया।
नवीन भवन का लोकार्पण मुख्य अतिथि विद्या भारती के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री यतीन्द्र के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि विद्यालय राष्ट्र निर्माण की प्रयोगशाला होते हैं, जहाँ से संस्कारित और चरित्रवान नागरिक तैयार होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, परिश्रम और राष्ट्रनिष्ठा को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया।
विशिष्ट अतिथि के रूप में विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचंद्र ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त यह नवीन भवन विद्यार्थियों के शैक्षिक और नैतिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने विद्यालय परिवार के समर्पण की सराहना की।
कार्यक्रम की अध्यक्षता विष्णु प्रसाद अजीतसरिया, निदेशक वी. एन. डायर्स ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने विद्यालय की निरंतर प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि यह भवन केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सपनों का आधार है।
इस अवसर पर संरक्षक डॉ. महेंद्र अग्रवाल, मंत्री राकेश कुमार मौर्य (गोपाल शिक्षा समिति, तुर्कमानपुर, गोरखपुर), अध्यक्ष विजय कुमार जालान (स.शि.म. प्रेमचंद नगर, गोरखपुर) की उपस्थिति विशेष रूप से उल्लेखनीय रही।

विद्यालयों को प्रदान किया जायेगा हर संभव सहयोग : शशि रमनजीत सिंह

फतेहपुर।
उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में शनिवार को ब्लॉक स्तरीय शिक्षा उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
मलवां विकास खंड के मौहार में स्थित एसएसडी डिग्री कॉलेज आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख शशि रमनजीत सिंह ने सर्वप्रथम दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर प्राथमिक विद्यालय मौहार के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुति की गई।ब्लॉक प्रमुख ने समस्त ग्राम प्रधानों एवं अध्यापकों से अपनी जिम्मेदारी को बेहतर तरीके से निभाने की अपील की। उन्होंने सभी को यह भी आश्वस्त कराया कि उनके द्वारा विद्यालय स्तर पर हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।
कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मलवां खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. विनोद कुमार ने कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा विभाग एवं पंचायत विभाग द्वारा विद्यालय में

बेकरी में आग से लगने से लाखों का नुकसान

औरैया।
उत्तर प्रदेश में औरैया जनपद के अजीतमल कस्बे के गांधी नगर मोहल्ले में स्थित मां वैष्णो बेकरी में रविवार तड़के भीषण आग लग गई। तीन मंजिला मकान में संचालित बेकरी में आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस और दमकल विभाग ने करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक प्रतिष्ठान का अधिकांश सामान जलकर राख हो चुका था। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार घटना में लगभग 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।
प्रतिष्ठान मालिक सौरभ पोरवाल ने

बताया कि वह रात करीब 11 बजे शटर बंद कर आर्य नगर स्थित अपने घर चले गए थे। पड़ोसी ने फोन कर बताया कि बेकरी में आग लग गई।
सूचना मिलते ही कस्बा इंचार्ज उदय प्रकाश सहित कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शटर तोड़कर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और अग्निशमन विभाग को सूचित किया। दमकल विभाग के एसआई देवेश तिवारी और उनकी टीम ने पड़ोसी मकान की छत पर चढ़कर तथा पीछे की खिड़की तोड़कर अंदर पानी डाला। दमकल वाहन को बार-बार पानी भरकर लाना पड़ा। लगभग दो घंटे बाद काबू पाया जा सका। पुलिस व दमकल विभाग की तत्परता से आसपास के मकान सुरक्षित रहे और बड़ा हादसा टल गया।
पड़ोसी शिवगोविंद सेंगर के परिजनों ने बताया कि पटाखों जैसी आवाजें सुनकर बाहर निकलकर देखा तो मकान से आग की लपटें उठती दिखाई दीं। उन्होंने तुरंत शोर मचाया और संचालक को सूचना दी। बेकरी संचालक ने बताया कि आग लगने की वजह से लगभग 15 से 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उच्च गुणवत्ता वाले बीज और उन्नत तकनीक से बढ़ती है उत्पादन क्षमता : डॉ. संजीव कुमार सचान

कानपुर।
उच्च गुणवत्ता वाले बीज आलू का सही उपयोग और वैज्ञानिक विधि से खेती किसानों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के साथ ही खर्च कम करने में भी मदद करती है।ह्व यह बातें शनिवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के सब्जी अनुभाग विभाग द्वारा आयोजित आलू उत्पादन कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिक डॉ. संजीव कुमार सचान ने कही।
केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा संचालित अखिल भारतीय समन्वित आलू शोध

परियोजना के तहत 80 से अधिक किसानों को प्रशिक्षण दिया गया। इसमें महिला एवं पुरुष किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रशिक्षकों ने बीज आलू की जांच और 3% बोरिक एसिड पाउडर द्वारा उपचार, कोल्ड स्टोर में भंडारण और अगली फसल में रोग कम करने की तकनीक समझाई गई।
डॉ. आईएन शुक्ला ने कद्दू वर्गीय सब्जियों की वैज्ञानिक विधि से खेती, डॉ. आशुतोष उपाध्याय ने आलू की बुवाई, खुदाई और उत्पादन बढ़ाने की तकनीक, तथा डॉ. भानु प्रकाश ने टमाटर की उन्नत उत्पादन विधि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, दिलीप नगर, कानपुर देहात के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान और डॉ. राजेश रॉय भी उपस्थित रहे।
कार्यक्रम के अंत में डॉ. अरुण कुमार सिंह ने सभी किसानों का धन्यवाद ज्ञापित किया और उन्हें प्रोत्साहित किया कि वे सीखों को अपने खेतों में लागू करें।

सुलतानपुर :पचास हजार का इनामी पुलिस मुठभेड़ मे घायल

सुलतानपुर।
उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के थाना वल्दीराय क्षेत्रान्तर्गत पचास हजार के इनामी पुलिस मुठभेड़ घायल हो गया। पुलिस ने उसे उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बल्दीराय मे भर्ती कराया । आरोपित के कब्जे से 01 अदद 315 बोर अवैध तमंचा व 01 खोखा तथा 01 अदद जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है।
अपर पुलिस अधीक्षक अखंड प्रताप सिंह ने रविवार को बताया कि बीती रात थाना बल्दीराय पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान मुखबिर खास से सूचना मिली कि एक बदमाश अवैध शस्त्र के साथ पारा की तरफ जा रहा है। पुलिस द्वारा

घेराबन्दी की गयी। उक्त बदमाश ने अपने आप को घिरता देख पुलिस बल पर जान से मारने की नीयत से फायर किया । पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गयी जवाबी कार्रवाई में फायरिंग की गई, जिसमें बदमाश के पैर में गोली लगने के कारण घायल हो गया। जिसकी पहचान आरोपित आदर्श सिंह पुत्र दशरथ सिंह उर्फ प्रदीप सिंह निवासी ग्राम डोभियारा थाना हलियापुर जनपद सुलतानपुर के रूप में हुई है। जो थाना हलियापुर से वांछित है। इस पर 50हजार का इनाम घोषित है। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 01 अदद 315 बोर अवैध तमंचा व 01 खोखा तथा 01 अदद जिन्दा कारतूस बरामद किया गया है।
ज्ञातव्य हो कि 20 नवम्बर 2025 को जनपद अयोध्या की पुलिस इस आरोपित की गिरफ्तारी हेतु दबिश देने आयी थी। जहां पर आरोपित ने परिजनों के साथ मिलकर पुलिस टीम पर हमला कर उनके सरकारी असलहा व मोबाइल छीन लिये थे। जिस सम्बन्ध में थाना हलियापुर में अभियोग पंजीकृत किया गया था।

प्लाट में फंदे से लटका मिला युवक का शव

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित फाफामऊ थाना क्षेत्र के मोरहूं गांव में रविवार को एक युवक का शव घर से कुछ दूर स्थित प्लाट में फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।
पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने रविवार को जानकारी देते बताया कि फाफामऊ थाना क्षेत्र के मोरहूं गांव निवासी अजीत यादव (38) का शव पैतृक घर से लगभग पांच

सौ मीटर दूर स्थित उसी के प्लाट में रविवार सुबह फंदे लटका पाया गया। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। स्थानीय लोगों के अनुसार, अंजीत यादव के पिता गांव के प्रधान रह चुके हैं, जबकि उनके भाई सुरेंद्र यादव वर्तमान में पार्षद हैं।
पुलिस उपायुक्त गंगानगर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस ने कहा कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

भारत, यूरोपीय संघ के व्यापार समझौते में मध्यस्थता से जुड़ा परिशिष्ट शामिल

- समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना

नई दिल्ली।

भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) ने हाल ही में बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के निष्कर्ष की घोषणा की। समझौते पर विधिक परीक्षण के बाद हस्ताक्षर होने की संभावना है और इसे अगले वर्ष लागू किया जा सकता है। एफटीए में मॉडल मध्यस्थता प्रक्रिया पर एक अलग परिशिष्ट शामिल है, जिसका उद्देश्य विवादों का त्वरित और आपसी सहमति से समाधान करना है। समझौते के अनुसार भारत या ईयू कोई भी पक्ष ऐसे उपाय के खिलाफ मध्यस्थता की मांग कर सकता है, जो द्विपक्षीय व्यापार पर प्रतिकूल प्रभाव डालता हो।

हालांकि प्रक्रिया केवल दोनों पक्षों की आपसी सहमति से ही शुरू होगी। यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर मध्यस्थ की नियुक्ति पर सहमति नहीं बनती, तो मध्यस्थता का अनुरोध स्वतः निरस्त माना जाएगा। मध्यस्थता आम तौर पर उस पक्ष के क्षेत्र में होगी, जिसके पास अनुरोध भेजा गया है, या आपसी सहमति से किसी अन्य स्थान या माध्यम से भी इसे आयोजित किया जा सकता है।

मध्यस्थ की नियुक्ति के 60 दिनों के भीतर समाधान तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा। करीब दो दशक चली वार्ताओं के बाद संपन्न एफटीए के तहत भारत के 93 प्रतिशत निर्यात को 27 देशों में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी, जबकि ईयू से लक्जरी कार और वाइन का आयात सस्ता होगा। दोनों पक्ष वैश्विक जीडीपी का लगभग 25 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का एक-तिहाई हिस्सा नियंत्रित करते हैं।

समझौते में कुल 20 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार पर अलग अध्याय भी है। यह कागज-रहित व्यापार, नियामकीय सहयोग और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देता है।

इसके अलावा विवाद निपटान पर अलग अध्याय विवादों के शीघ्र और प्रभावी समाधान की व्यवस्था करता है।

फरवरी में सीमेंट की औसत कीमत 342 रुपये प्रति बोरी पहुंची

- कुछ राज्यों में मार्च में फिर बढ़ोतरी की तैयारी

नई दिल्ली ।

फरवरी में सीमेंट बाजार ने मिलीजुली तस्वीर पेश की। जनवरी में बढ़ी कीमतों के बाद उम्मीद थी कि रुझान और मजबूत होगा, लेकिन स्थिति न तो बहुत तेज रही और न ही पूरी तरह सुस्त। पूरे देश में औसत ट्रेड कीमत 2 रुपये बढ़कर 342 रुपये प्रति बोरी हो गई। क्षेत्रीय तौर पर हालात अलग रहे। पश्चिम भारत में दाम 7 रुपये प्रति बोरी तक बढ़कर सबसे मजबूत प्रदर्शन किया। पूर्व में 4 रुपये और उत्तर में 3 रुपये की तेजी रही। मध्य भारत में कीमतें लगभग स्थिर रहीं, जबकि दक्षिण भारत में औसतन 2 रुपये प्रति बोरी की गिरावट दर्ज की गई। कुछ बाजारों में महीने की शुरुआत में बढ़ी कीमतें बाद में सामान्य हो गईं। जनवरी और फरवरी मिलाकर चालू तिमाही में औसत दाम पिछली तिमाही से करीब 1 प्रतिशत अधिक रहे। इससे कंपनियों को थोड़ी राहत मिली। बाजार को इस बार बड़े निर्माण और सरकारी प्रोजेक्ट्स का सहारा मिला। खुदरा बाजार में दाम 0 से 15 रुपये प्रति बोरी ऊपर-नीचे रहे, जबकि बड़े ऑर्डर वाले सौदों में 0 से 20 रुपये तक बढ़त दर्ज हुई। ज्यादातर जगहों पर मांग जनवरी की तुलना में बेहतर रही, लेकिन खुदरा खरीदार अभी पूरी ताकत से नहीं उतरे। मार्च के पहले 10 दिन होली के कारण कामकाज धीमा रह सकता है। मार्च में बड़ी बढ़ोतरी की संभावना ज्यादातर इलाकों में कम है। हालांकि बिहार, पश्चिम बंगाल और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में 10-15 रुपये प्रति बोरी तक दाम बढ़ाने की तैयारी चल रही है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि फिलहाल मांग ठीक है, इसलिए अचानक बड़ी गिरावट की संभावना कम है। असली परीक्षा यह होगी कि कंपनियां बढ़े हुए दाम को कितने समय तक संभाल पाती हैं।

क्रेडिट कार्ड नियमों में संभावित बदलाव 1 अप्रैल से

क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार

नई दिल्ली। क्रेडिट कार्ड अब आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुके हैं। खरीदारी, यात्रा, ऑनलाइन बिल और टैक्स भुगतान में उनका उपयोग तेजी से बढ़ा है। 1 अप्रैल से इन कार्डों से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण नियमों में बदलाव हो सकते हैं, जो सीधे उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करेंगे। नए नियमों के तहत सालभर में किए गए बड़े भुगतान पर विशेष नजर रखी जा सकती है। यदि कोई निर्धारित सीमा से अधिक क्रेडिट कार्ड बिल जमा करता है, तो इसकी जानकारी संबंधित विभाग को दी जा सकती है। इसका उद्देश्य वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता और अनियमित गतिविधियों पर नियंत्रण रखना है। डिजिटल और नकद भुगतान के लिए अलग-अलग सीमा तय की जा सकती है। तय सीमा से अधिक नकद जमा करने पर इसकी रिपोर्टिंग अनिवार्य हो सकती है। इससे बड़ी रकम को बिना रिकॉर्ड के चुकाना मुश्किल होगा और नकद भुगतान करने वालों को पहले से योजना बनानी होगी। क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट को पहचान और पते के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने पर विचार किया जा रहा है। यह नए कार्ड आवेदन या अपडेट के समय लोगों को अतिरिक्त विकल्प देगा, खासकर उनके लिए जिनके पास सीमित दस्तावेज हैं। सरकार कार्ड को टैक्स और जीएसटी भुगतान के लिए आधिकारिक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम बनाने की तैयारी कर रही है। हालांकि प्रोसेसिंग शुल्क लग सकता है। कंपनियों द्वारा दिए गए कॉर्पोरेट कार्ड पर भी खर्च का पूरा रिकॉर्ड रखना और निजी व ऑफिस खर्च अलग दिखाना अनिवार्य हो सकता है। नए कार्ड के लिए पैन नंबर अनिवार्य हो सकता है। कार्डधारकों को बड़े लेन-देन की सीमा, नकद भुगतान नियम, प्रोसेसिंग फीस और खर्च का रिकॉर्ड ध्यान से रखना चाहिए।

तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में मारती हैं उछाल

नई दिल्ली ।

पिछले 50 वर्षों में बड़े युद्ध और भू-राजनीतिक संकट अक्सर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल लाते रहे हैं। 1970 के दशक में अरब देशों द्वारा निर्यात रोकने से तेल 3 से 12 डॉलर- तक बढ़ा। 1990 में इराक-कुवैत युद्ध और 2003 में दूसरे इराक युद्ध में भी कीमतें 40 फीसदी तक बढ़ीं, लेकिन सप्लाई बढ़ने पर जल्द सामान्य हुईं। 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान तेल 80 से डालर 120 प्रति बैरल तक गया, फिर वैकल्पिक खरीदारों के आने से छह महीनों में दाम सामान्य हुए। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान का उत्पादन वैश्विक तेल सप्लाई का केवल 3 फीसदी है, लेकिन इसका भू-राजनीतिक महत्व बड़ा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते दुनिया की लगभग 20 फीसदी तेल और गैस सप्लाई गुजरती है। इस मार्ग में कोई बाधा आने पर सऊदी अरब, इराक, कुवैत और यूएई की सप्लाई सीधे प्रभावित हो सकती है। हाल के तनाव के कारण कीमतों में लगभग 10 फीसदी की तेजी देखी गई। विश्लेषकों का कहना है कि हर 1 फीसदी सप्लाई झटके से तेल की कीमत 3-5 फीसदी बढ़ती है। अगर ईरान का 3.3 मिलियन बैरल प्रति दिन उत्पादन रुकता है, तो 70 डॉलर के बेस प्राइस पर दाम 76-81 डॉलर तक जा सकते हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर गंभीर खतरे के मामले में अतिरिक्त जोखिम प्रीमियम 20-40 डॉलर जुड़ सकता है, जिससे कीमत 95-110 डॉलर या उससे ऊपर पहुंच सकती है। इतिहास और विशेषज्ञों की राय यही दर्शाती है कि तेल की कीमतें भू-राजनीतिक तनाव में तेजी दिखा सकती हैं, लेकिन वास्तविक सप्लाई बाधा अक्सर अस्थायी होती है। बाजार में भय और अनिश्चितता ही दामों को अस्थायी रूप से ऊंचा करती है, जबकि संतुलन बहाल होने पर कीमतें सामान्य स्तर पर लौट आती हैं।

पीपीएफ में एक व्यक्ति अपने नाम पर खोल सकता है केवल एक खाता

- संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं

नई दिल्ली ।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) भारत में सबसे भरोसेमंद बचत योजनाओं में से एक है। वित्त मंत्रालय के तहत राष्ट्रीय बचत संस्थान के नियमों के अनुसार एक व्यक्ति अपने नाम पर केवल एक ही पीपीएफ खाता खोल सकता है। यह खाता बैंक में हो या डाकघर में, फर्क नहीं पड़ता। संयुक्त खाते की अनुमति भी नहीं है। अगर किसी के नाम पर एक से अधिक खाते पाए जाते हैं, तो अतिरिक्त खाते को अनियमित माना जा सकता है और उसमें जमा राशि बिना ब्याज के वापस की जा सकती है। पीपीएफ खाते व्यक्ति के पैन नंबर से लिंक होते हैं। इसलिए अलग-अलग बैंक या डाकघर में खाते खोलकर अधिक टैक्स फायदा लेने की कोशिश सिस्टम में पकड़ी जा सकती है। अभिभावक अपने नाबालिग बच्चे या मानसिक रूप से अक्षम व्यक्ति के लिए पीपीएफ खाता खोल सकता है। लेकिन नियम स्पष्ट करते हैं कि एक बच्चे पर सिर्फ एक खाता ही खोला जा सकता है और दूसरे अभिभावक को उसी बच्चे के नाम पर खाता खोलने की अनुमति नहीं है। पीपीएफ में न्यूनतम जमा 500 और अधिकतम 1.5 लाख रुपए प्रति वित्त वर्ष है। यह सीमा कुल मिलाकर लागू होती है, यानी अभिभावक अपने खाते और नाबालिग बच्चों के खातों में मिलाकर भी 1.5 लाख रुपए से अधिक नहीं जमा कर सकता। नाबालिग खाते खोलने से कुल टैक्स लाभ की सीमा बढ़ती नहीं है। पीएफ योजना लंबी अवधि के लिए डिज़ाइन की गई है। एक से अधिक खाते खोलकर अधिक टैक्स लाभ लेने की कोशिश नियमों के खिलाफ है। अगर निवेशक 1.5 लाख रुपये से अधिक बचत करना चाहता है, तो उसे अन्य वित्तीय साधनों में निवेश करना होगा।

टाटा संस में चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल पर फैसला टला

- प्रस्ताव को लेकर समूह में मतभेद की अटकलें बढ़ीं

नई दिल्ली । टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन के तीसरे कार्यकाल को लेकर निदेशक मंडल ने फैसला टाल दिया। यह बैठक ऐसे समय हुई जब टाटा ट्रस्ट, जो टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है, ने पिछले साल सर्वसम्मति से उन्हें तीसरा कार्यकाल देने की सिफारिश की थी। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने पुनर्नियुक्ति को लेकर कुछ शर्तें रखी थीं, जो इस प्रकार हैं- एयर इंडिया का अधिग्रहण और कंपनी के घाटे को लेकर चिंता, सेमीकंडक्टर और बैटरी उत्पादन जैसे नए क्षेत्रों में भारी पूंजीगत जोखिम, नियामकीय बाध्यता और टाटा संस को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने संबंधी स्पष्ट आश्वासन की मांग। इन शर्तों और चिंताओं के कारण बोर्ड ने निर्णय को स्थगित कर दिया। टाटा ट्रस्ट का सर्वसम्मत प्रस्ताव अभी भी कायम है लेकिन पर्यवेक्षकों ने सवाल उठाया कि क्या ट्रस्ट के नामित निदेशक निदेशक मंडल में अलग रुख अपना सकते हैं। यह स्थिति समूह के उच्चस्तरीय मतभेद और रणनीतिक चिंताओं का संकेत देती है।

एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने किया होली ऑफर्स का ऐलान; शॉपिंग और ट्रैवल पर मिलेगी भारी छूट

क्रेडिट और डेबिट कार्ड ग्राहकों के लिए फेस्टिव सीजन में बचत का अवसर; 31 मार्च तक वैध रहेंगे ऑफर्स

मुंबई/इंदौर । भारत के सबसे बड़े स्मॉल फाइनेंस बैंक, एयू एसएफबी ने रंगों के त्योहार होली के उपलक्ष्य में अपने ग्राहकों के लिए विशेष फेस्टिव ऑफर्स की घोषणा की है। बैंक ने ग्रोसरी, फैशन शॉपिंग और ट्रैवल जैसी प्रमुख श्रेणियों में कैशबैक और डिस्काउंट के माध्यम से बचत के अवसर प्रदान किए हैं। यह पहल उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर की गई है जो त्योहार के दौरान डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के जरिए खरीदारी और यात्रा की योजना बना रहे हैं। बैंक द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, ग्रोसरी श्रेणी में स्विगी इंस्टामार्ट पर 111 रू. तक की छूट और ब्लिंकिट, जेप्टो व जियोमार्ट पर एयू क्रेडिट कार्ड के जरिए 5त्न की बचत की जा सकती है। फैशन शॉपिंग के लिए एजीओ (AJIO) पर 10त्न की विशेष छूट उपलब्ध है। वहीं, घर जाने या पर्यटन की योजना बना रहे ग्राहकों को रेडबस और अभिबस पर एयू क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 10त्न तक की राहत मिलेगी। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, जिसे हाल ही में यूनिवर्सल बैंक में बदलने की सैद्धांतिक मंजूरी मिली है, अपने इन ऑफर्स के जरिए ग्राहकों के त्योहारी खर्च को किफायती बनाना चाहता है। ये सभी विशेष लाभ लाइव हो चुके हैं और ग्राहक इनका फायदा 31 मार्च 2026 तक उठा सकते हैं। बैंक का उद्देश्य उत्सव के इस माहौल में अपने कार्ड धारकों को वित्तीय लचीलापन और बेहतर बैंकिंग अनुभव प्रदान करना है।

सोने की बढ़ती कीमतों से गोल्ड लोन बाजार में रिकॉर्ड उछाल

- जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई

नईदिल्ली ।

सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी का सीधा असर बैंकिंग सेक्टर में दिखाई दे रहा है। जनवरी में गोल्ड लोन में 128 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो पिछले साल जनवरी (91 फीसदी) से काफी अधिक है। रिजर्व बैंक आफ इं डिया (आरबीआई) के आंकड़ों के अनुसार, गोल्ड जूलरी के बदले बैंकों का आउटस्टैंडिंग लोन पहली बार 4,00,517 करोड़ रुपए के पार पहुंच गया। सोने की कीमतों में 152 फीसदी की बढ़ोतरी ने इस लोन की मांग को मजबूत आधार दिया है। बैंक क्रेडिट में गोल्ड लोन की हिस्सेदारी 9 फीसदी रही। जनवरी में कुल बैंक क्रेडिट ग्रोथ 14.4 फीसदी रही। पर्सनल लोन बैंक क्रेडिट का सबसे बड़ा सेगमेंट बना, जिसमें हिस्सेदारी 34.5 फीसदी रही। रिटेल लोन में 15 फीसदी की तेजी आई, जबकि एजुकेशन लोन दूसरे सबसे तेज बढ़ने वाले सेगमेंट के रूप में सामने आया, जिसमें 14 फीसदी वृद्धि हुई। सेक्टरवार आंकड़ों में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में 62 फीसदी की उछाल दर्ज हुई, जिसे आरबीआई ने अनिवार्य कर्ज श्रेणी में शामिल किया है। इसके अलावा, जेम्स एंड जूलरी तथा इंजीनियरिंग सेक्टर में 36 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई, जो इन्हें सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में शामिल करता है। कॉरपोरेट सेक्टर में कर्ज वृद्धि 12 फीसदी रही, जबकि नॉन-फूड क्रेडिट 14 फीसदी बढ़ा। अमेरिकी टैरिफ में बदलाव के कारण जनवरी में एक्सपोर्ट क्रेडिट 17.2 फीसदी घट गया, जबकि पिछले साल इसी अवधि में इसमें 7 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई थी। यह वैश्विक आर्थिक बदलाव का असर भारतीय क्रेडिट मार्केट पर भी दिखाई दे रहा है।

भारतीय शेयर बाजार में इस सप्ताह मिलाजुला रुझान देखा गया

सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ता हिक आधार पर एक फीसदी से अ धिक तेजी रही

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह मिश्रित रुझान दिखाया, जिसमें शुरुआती मजबूती के बाद मध्य और अंत में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। बाजार के जानकारों का कहना है कि वैश्विक बाजार के कमजोर संकेतों और बढ़ते भू-राजनीतिक जोखिमों के बीच भारतीय बाजारों में स्थिरता बनी रही, निवेशकों का नजरिया तेजी से सतर्क हो गया। पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बीच जारी संघर्ष ने भी बाजार में अनिश्चितता पैदा कर दी है। इस तनाव की वजह से निवेशकों का भरोसा डगमगाया है। जिससे सप्ताह के ओ खिर में शेयर बाजार में एक फीसदी से अे धिक की गिरावट देखी गई। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को हरे निशान से हुई, जब वैश्विक बाजारों में तेजी और बैंक एवं सेवा क्षेत्र में खरीदारी के चलते प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स ने 621.78 अंकों की बढ़त के साथ 83,436.49 पर, जबकि एनएसई निफ्टी 180.05 अंकों की तेजी के साथ 25,751.30 पर कारोबार शुरू किया। दिन के अंत तक सेंसेक्स 479.95 अंक और निफ्टी 141.75 अंक ऊपर बंद हुए। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने वैश्विक व्यापार की धाराओं को सकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे निवेशकों का मनोबल बढ़ा। मंगलवार को बाजार में अचानक गिरावट देखने को मिली। एआई से जुड़े संभावित व्यवधानों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 525.29 अंक गिरकर 82,769.37 पर और निफ्टी 145.85 अंक घटकर 25,567.15 पर खुला। दिन के अंत में सेंसेक्स 1,068.74 अंक और निफ्टी 288.35 अंक गिरकर सप्ताह के शुरुआती उत्साह को झटका लगा। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में थोड़ी बढ़त देखी गई, लेकिन दिन के अंत में सूचकांक केवल मामूली बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। गुरुवार को आईटी शेयरों में खरीदारी और विदेशी फंड प्रवाह ने शुरुआती कारोबार में बाजार को बढ़त दिलाई। हालांकि, दिनभर उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 27.46 अंक गिरकर और निफ्टी 14.05 अंक बढ़कर सपाट बंद हुए। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों में कमजोरी और विदेशी फंडों की नई निकासी के

चलते दोनों प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही। सेंसेक्स 961.42 अंक गिरकर 81,287.19 पर और निफ्टी 317.90 अंक घटकर 25,178.65 पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार ने इस सप्ताह अत्यधिक अस्थिरता दिखाई। शुरुआती उत्साह के बाद मध्य सप्ताह में आईटी शेयरों और वैश्विक जोखिमों के कारण गिरावट देखी गई, जबकि सप्ताह के अंत में विदेशी फंड निकासी और वैश्विक दबाव ने बाजार को लाल निशान में बंद करवाया। निवेशकों के लिए यह सप्ताह सीखने और सतर्क रहने का रहा।

विशाल मेगा मार्ट की प्रवर्तक इकाई ने 13.96 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । समायत सर्विसेज एलएलपी ने खुले बाजार में दो किस्तों में 65.25 करोड़ शेयर बेचे, जो कंपनी की कुल 13.96 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर हैं। शेयरों का मूल्य 117-117.03 रुपए प्रति शेयर रहा, जिससे कुल लेनदेन मूल्य 7,635.55 करोड़ रुपए हुआ। इस बिक्री के बाद समायत सर्विसेज की विशाल मेगा मार्ट में हिस्सेदारी 54.09 फीसदी से घटकर 40.13 फीसदी रह गई। अभी भी यह सबसे बड़ा शेयरधारक है, लेकिन नियंत्रण पहले की तुलना में कम हुआ। समायत सर्विसेज एलएलपी एक विशेष-प्रयोजन इकाई है, जिसका स्वामित्व केदारा कैपिटल और पार्टनर्स ग्रुप, स्विट्जरलैंड के पास है। इस लेनदेन से निवेशकों के लिए नए अवसर पैदा हुए हैं, और बाजार में स्थिर प्रतिक्रिया देखने को मिली।

अमेरिका और ईरान में जंग.....सोना 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 300000 लाख रुपये

मुंबई ।

इजरायल ने फिर ईरान पर हमला कर दिया है। इजरायली रक्षामंत्री ने इसकी पुष्टि कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। हमले पर ईरान की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आ गई है। ईरान की प्रतिक्रिया जिस तरह से सामने आई है उससे साफ है कि यह तनाव शायद ही जल्द समाप्त हो। अगर अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच तनाव बढ़ता है, तब इसका सीधा असर सोने और चांदी की कीमतों पर होगा। आने वाले समय में गोल्ड और सिल्वर के दाम इजाफा देखने को मिल सकता है। जानकारों का मानना है कि घरेलू बाजार में सोने का भाव 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक पहुंच सकती है। सेबी रजिस्टर्ड मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं, ÷अमेरिका-ईरान तनाव की वजह से अनिश्चितता के दौर में इजाफा होगा। निवेशक ऐसी परस्थिति में सुरक्षित निवेश की तलाश करेगा। हम सोने और चांदी की कीमतों में तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। एक्सपर्ट कहते हैं, ÷सीओएमईएक्स गोल्ड रेट 5300 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रहा है। इसके ऊपर जाने पर भारत में सोने का भाव 168000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 170000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर तक जा सकता है।÷

शुक्रवार को सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 93 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर बंद हुआ था। चांदी की कीमतें 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। एक्सपर्ट मानते हैं, ÷अगर सीओएमईएक्स सिल्वर रेट 95 डॉलर प्रति आउंस के स्तर को क्रॉस करने

में सफल रही तब यह फिर से 100 डॉलर प्रति आउंस के स्तर तक पहुंच सकती है। भारत में चांदी की कीमतें फिर से 300000 लाख रुपये के स्तर तक जा सकता है।÷ हालिया समय में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिली है। हालांकि, उस हिसाब से फरवरी का महीना नहीं बीता है।

गोल्ड और सिल्वर एटीएफ का एनएवी अब भारतीय बाजार की कीमत पर

-अब ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा

नई दिल्ली । अभी तक गोल्ड और सिल्वर ईटीएफ अपने पास रखे सोने और चांदी की कीमत तय करने के लिए एलबीएमए (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) की एएम फिक्सिंग का इस्तेमाल करते थे। इसके बाद कई चरणों में बदलाव किया जाता था, जैसे डॉलर से रुपये में बदलना, आयात शुल्क, कस्टम ड्यूटी, ढुलाई खर्च और अन्य टैक्स या फीस। इस वजह से निवेशकों के लिए ईटीएफ का एनएवी वास्तविक भारतीय बाजार की कीमत से थोड़ा अलग दिखाई देता था। 1 अप्रैल 2026 से यह प्रक्रिया बदल जाएगी। अब ईटीएफ ,को अपने बुलियन होल्डिंग की कीमत तय करने के लिए भारतीय एक्सचेंजों द्वारा जारी डॉमेस्टिक स्पॉट प्राइस का उपयोग करना होगा। ये वही कीमतें हैं जिन पर एमसीएक्स और एनएसई पर फिजिकल सोना-चांदी के सौदे होते हैं। इसका मतलब एनएवी सीधे भारत के बाजार की वास्तविक कीमत को दिखाएगा। इस बदलाव से ईटीएफ का एनएवी ज्यादा पारदर्शी और भारतीय बाजार के अनुकूल होगा। डॉलर-रुपये के बदलाव या अतिरिक्त शुल्क जोड़ने की जरूरत खत्म हो जाएगी। निवेशकों के लिए सुरक्षा में कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बस रोज़ाना की कीमतें अब भारत के फिजिकल मार्केट के हिसाब से तय होंगी।

सरकार ने फोर्टिफाइड चावल वितरण अस्थायी रूप से रोका

लंबे समय तक गोदाम में रखने पर आ रही पोषक तत्वों में कमी

नई दिल्ली। सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाय) और अन्य योजनाओं के तहत मिलने वाले फोर्टिफाइड चावल में पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया अस्थायी रूप से रोक दी है। खाद्य मंत्रालय के अनुसार लंबे समय तक गोदामों में रखने से चावल में जो विटामिन और मिनरल्स मिलाए जाते हैं, उनमें कमी आ रही थी। सरकार ने आईआईटी खड़गपुर को यह अध्ययन करने का काम सौंपा था कि अलग-अलग मौसम और वातावरण में चावल कितने समय तक सुरक्षित रहता है। रिपोर्ट में पाया गया कि चावल रखने का स्थान, तापमान, हवा में नमी और पैकिंग सामग्री फोर्टिफाइड चावल की गुणवत्ता पर बड़ा असर डालते हैं। लंबे समय तक भंडारण और बार-बार परिवहन से पोषक तत्व जल्दी घट जाते हैं और चावल जल्दी खराब होने लगता है। राशन का चावल अक्सर 2-3 साल तक सरकारी गोदामों में रखा जाता है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और अन्य सरकारी योजनाओं के लिए सालाना 372 लाख टन चावल की जरूरत होती है। जबकि सरकारी भंडार में कुल उपलब्धता लगभग 674 लाख टन है, जिसमें 2025-26 की खरीफ फसल भी शामिल है। खाद्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पोषक तत्व मिलाने की प्रक्रिया रोकने से राशन की मात्रा या स्कूलों और आंगनवाड़ी में मिलने वाले मध्याह्न भोजन पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

भारत बनाम वेस्टइंडीज: सेमीफाइनल की राह तय करेगा कोलकाता का महामुकाबला, मौसम देगा पूरा साथ

कोलकाता (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का सबसे अहम मुकाबला 1 मार्च को कोलकाता के ईडन गार्डन में खेला जाएगा, जहां भारत और वेस्टइंडीज के बीच विजेता ही सेमीफाइनल में पहुंचेगा। यह मैच किसी क्वार्टरफाइनल से कम नहीं माना जा रहा है क्योंकि दोनों टीमों के पास आगे बढ़ने का यही आखिरी मौका है। भारत ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 72 रनों की दमदार जीत के साथ अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है। अब टीम इंडिया को शाई होप की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज को हराना अनिवार्य है। दूसरी ओर वेस्टइंडीज भी जीत के साथ सीधे सेमीफाइनल में प्रवेश कर सकती है, जिससे मुकाबला और भी रोमांचक बन गया है।

मुकाबला रविवार शाम 7 बजे शुरू होगा, जबकि टॉस 6:30 बजे होगा। ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स इस हाई-वोल्टेज मैच का गवाह बनने जा रहा है। फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल मौसम को लेकर है क्या बारिश मैच बिगाड़ सकती है? शुरुआती रिपोर्ट्स के अनुसार, राहत की खबर है कि 1 मार्च को कोलकाता में बारिश की कोई संभावना नहीं है। मैच के दौरान आसमान साफ रहने की उम्मीद है। दिन में तापमान लगभग 34 डिग्री सेल्सियस तक और शाम को 25-26 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। कुल मिलाकर मौसम क्रिकेट के लिए आदर्श माना जा रहा है और फैंस को पूरे 40 ओवर का खेल देखने को मिल सकता है।

हालांकि बारिश की संभावना कम है, लेकिन यदि मैच किसी कारणवश रद्द होता है तो स्थिति दिलचस्प हो जाएगी। फिलहाल दोनों टीमों के पास 2-2 अंक हैं। मैच रद्द होने पर दोनों को एक-एक अंक मिलेगा और अंक तीन हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में बेहतर नेट रन रेट होने

के कारण वेस्टइंडीज सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर सकती है, जिससे भारत का सफर यहीं समाप्त हो सकता है। ऐसे में भारत को न सिर्फ जीत, बल्कि मौसम के पूरी तरह साथ देने की भी उम्मीद रहेगी। अब देखना है कि ईडन गार्डन्स में कौन सी टीम अपना 'करो या मरो' मुकाबला जीतकर अंतिम-चार में जगह बनाती है।

टीम इस प्रकार है

भारत: अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, मोहम्मद सिराज।

वेस्टइंडीज : ब्रैंडन किंग, शाइ होप (विकेटकीपर/कप्तान), शिमरन हेटमायर, रोवमैन पॉवेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड, जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड, अकील होसेन, गुडाकेश मोटी, शमार जोसेफ, क्वेंटिन सैम्पसन, जेडन सील्स, रोस्टन चेस, जॉनसन चार्ल्स।

आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग पर महेंद्र सिंह धोनी को नोटिस, हाउसिंग बोर्ड ने मांगा स्पष्टीकरण

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड की ओर से रांची में आवासीय प्लॉट के कथित दुरुपयोग के मामले में नोटिस जारी किया गया है। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी पुष्टि की है। धोनी जहां एक ओर आईपीएल 2026 में खेलने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर यह विवाद उनके पुराने आवास से जुड़े उपयोग को लेकर चर्चा में है। हाउसिंग बोर्ड के अनुसार धोनी को जो प्लॉट आवंटित किया गया था, वह केवल आवासीय उपयोग के लिए था, लेकिन आरोप है कि वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इसे आवंटन की शर्तों का उल्लंघन माना जा रहा है। बोर्ड की ओर से भेजे गए नोटिस में स्पष्ट किया गया है कि व्यावसायिक उपयोग की अनुमति नहीं थी।

झारखंड स्टेट हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष संजयलाल पासवान ने बताया कि क्षेत्र में कई प्लॉट आवासीय उद्देश्य से दिए गए थे, लेकिन जांच में खुलासा हुआ कि कुछ भूखंडों पर व्यवसायिक कार्य किए जा रहे हैं। इसी आधार पर धोनी सहित कई अन्य लोगों को स्पष्टीकरण के लिए नोटिस जारी किए गए हैं। हाउसिंग बोर्ड के मुताबिक यह अंतिम नोटिस है और यदि निर्धारित समय के भीतर संतोषजनक जवाब नहीं मिलता है, तो प्लॉट के आवंटन को रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जा सकती है। मामले की जांच जारी है और रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। धोनी फिलहाल रांची के रिंग रोड स्थित अपने नए आवास में रहते हैं। विवादित संपत्ति उनका पुराना घर है, जो हरमू रोड पर स्थित है। आरोप है कि इस संपत्ति में एक डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित किया जा रहा था, जिसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने जांच आरंभ की। इसी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के राज्य कार्यालय को भी आवासीय भूखंड के कथित दुरुपयोग पर पहले नोटिस जारी किया जा चुका है। इधर, धोनी मैदान पर वापसी को लेकर भी सुर्खियों में हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह चुके धोनी 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 में एक बार फिर खेलते नजर आएंगे। उनकी उपस्थिति को लेकर प्रशंसकों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

वानखेड़े में रवि शास्त्री के नाम पर स्टैंड, तीन दिग्गज खिलाड़ियों के नाम पर होंगे स्टेडियम के गेट

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने मुंबई और भारतीय क्रिकेट की गौरवशाली विरासत को सम्मान देने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। एसोसिएशन ने निर्णय लिया है कि मुंबई के प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम में लेवल-1 स्टैंड का नाम पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रवि शास्त्री के नाम पर रखा जाएगा। इसी के साथ स्टेडियम के तीन प्रमुख गेट भी शहर के कुछ महान खिलाड़ियों को समर्पित किए जाएंगे। यह फैसला एमसीए की हालिया एपेक्स काउंसिल बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया।

एमसीए ने बताया कि प्रेस बॉक्स के ठीक नीचे स्थित लेवल-1 स्टैंड अब रवि शास्त्री के नाम से जाना जाएगा। खिलाड़ी, कप्तान, कोच और कमेंटेटर के रूप में भारतीय क्रिकेट को उनके अमूल्य योगदान के सम्मान में यह निर्णय लिया गया है। भारतीय क्रिकेट में चार दशक से अधिक समय तक उनकी भूमिका ने उन्हें खेल का एक बड़ा चेहरा बनाया है। स्टेडियम के गेट भी मुंबई क्रिकेट के तीन दिग्गजों को सम्मानित करेंगे। गेट नंबर 3 का नाम महान बल्लेबाज दिलीप सरदेसाई के नाम पर रखा जाएगा, जिन्होंने 30 टेस्ट मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। गेट नंबर 5 महिला क्रिकेट की अग्रणी हस्तियों में शामिल डायना एडुल्जी को समर्पित होगा, जिन्होंने भारतीय महिला क्रिकेट को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में अहम योगदान दिया। वहीं गेट नंबर 6 अब प्रसिद्ध ऑलराउंडर और क्लोज-इन फील्डर एकनाथ सोलकर के नाम से जाना जाएगा, जो अपनी फुर्ती और साहसिक फील्डिंग के लिए याद किए जाते हैं। एमसीए अध्यक्ष अजींक्य नाइक ने कहा कि मुंबई क्रिकेट की मजबूत आधारशिला इन खिलाड़ियों ने अपने खेल और अनुशासन से तैयार की है। उन्होंने कहा कि इन दिग्गजों का सम्मान करना न केवल अतीत की विरासत को सलाम करना है, बल्कि भावी पीढ़ियों को प्रेरणा देना भी है। उन्होंने कहा कि स्टेडियम में प्रवेश करने वाले हर दर्शक को अब मुंबई क्रिकेट की गौरवशाली यात्रा और इन महान खिलाड़ियों के योगदान की याद ताजा होगी। एमसीए के इस फैसले को क्रिकेट जगत में सराहनीय कदम माना जा रहा है, क्योंकि इससे शहर की क्रिकेट संस्कृति और खिलाड़ियों की विरासत को नए सिरे से

टी20 वर्ल्ड कप 2026: दक्षिण अफ्रीका की जीत की लय पर जिम्बाब्वे की चुनौती

-अरुण जेटली स्टेडियम में होगा हाई-स्टेक मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर-8 चरण में रविवार दोपहर नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका जिम्बाब्वे आमने-सामने होंगी। प्रोटियाज अपनी अजेय लय को सात मैचों तक बढ़ाना चाहेंगे, जबकि जिम्बाब्वे टूर्नामेंट का समापन सम्मानजनक तरीके से करना चाहेगा। दक्षिण अफ्रीका इस वर्ल्ड कप में अब तक अपने सभी छह मुकाबले जीत चुका है और 10 के नेट रन रेट के साथ सबसे दमदार टीम के रूप में उभरा है। टीम अगर जिम्बाब्वे को मात देती है, तो यह टी20 प्रारूप में उसकी दूसरी सबसे लंबी जीत की श्रृंखला बन जाएगी। कप्तान एडन मार्क्रम बेहतरीन फॉर्म में हैं। वे 178 की स्ट्राइक रेट से 264 रन बना चुके हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। पावरप्ले में उनका स्ट्राइक रेट 200 रहा है, जो 50 से ज्यादा गेंद खेलने वाले बल्लेबाजों में सबसे ऊंचा है। मार्करम के पास बाबर आजम (303 रन, 2021) के रिकॉर्ड को तोड़कर एक वर्ल्ड कप संस्करण में कप्तान द्वारा सर्वाधिक रन बनाने का मौका भी है।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी स्पिन के खिलाफ सबसे प्रभावी रही है, जहां टीम ने 9.9 रन प्रति ओवर की दर से रन बनाए। डेविड मिलर और क्विंटन डी कॉक को छोड़कर लगभग सभी बल्लेबाज 140+ के स्ट्राइक रेट पर खेल रहे हैं। गेंदबाजी में भी टीम का प्रदर्शन शानदार है। तेज गेंदबाज 37 विकेट चटका चुके हैं, जो इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक हैं। लुंगी एंगीडी 11 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने से सिर्फ एक विकेट दूर हैं। मार्को जानसेन के नाम भी 11 विकेट हैं, जबकि कगिसो रबाडा ने शुरुआती मैचों के बाद जोरदार वापसी की है।

जिम्बाब्वे की टीम भले ही सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुकी है, लेकिन उनके अभियान में कई यादगार पल शामिल रहे। श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया को हराकर उन्होंने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान हासिल किया था, हालांकि सुपर-8 में भारत और वेस्टइंडीज के खिलाफ मिली हार से टीम की रफ्तार टूट गई। जिम्बाब्वे के ओपनर ब्रायन बेनेट ने अपनी शानदार बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है। वे अभी तक पांच पारियों में 277 रन बना चुके हैं और केवल एक बार आउट हुए हैं। उन्हें इस वर्ल्ड कप के एक संस्करण में सबसे अधिक रन बनाने वाले विराट कोहली (319 रन) के रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 43 रन की जरूरत है।

नई दिल्ली की पिच पर लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम को ज्यादा सफलता मिली है। यहां खेले गए पांच में से चार मैच दूसरी बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। हेड-टू-हेड मुकाबलों में दक्षिण अफ्रीका 7-1 से आगे है, जिससे वह इस मैच में स्पष्ट रूप से मजबूत दावेदार दिखाई देता है। अब देखना यह होगा कि दक्षिण अफ्रीका अपनी जीत की लय बरकरार रखता है या जिम्बाब्वे आखिरी मुकाबले में बड़ा उलटफेर करता है।

रणजी ट्रॉफी जीत के बाद भावुक हुए पारस डोगरा, बोले 'यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी उपलब्धि'

हुबली। हुबली में इतिहास रचने के बाद पारस डोगरा अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाए। कर्नाटक के खिलाफ रणजी ट्रॉफी फाइनल ड्रॉ रहने के बावजूद पहली पारी की बढ़त के आधार पर जीत दर्ज करने वाली जम्मू-कश्मीर के कप्तान ने कहा कि इस सफलता को शब्दों में बयां करना उनके लिए मुश्किल है। मैच के बाद डोगरा ने कहा, "सच कहूं तो मैं इसे समझा नहीं सकता। मेरे पास अभी कोई शब्द नहीं हैं। यह मेरी जिंदगी की सबसे बड़ी चीज है और मैं इसके लिए बहुत शुक्रगुजार हूं।" उन्होंने जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों की सराहना करते हुए कहा कि यह जीत सामूहिक मेहनत का नतीजा है। जम्मू-कश्मीर ने फाइनल में पहली पारी में 291 रन की भारी बढ़त लेकर मुकाबले पर मजबूत पकड़ बना ली थी। कर्नाटक के लिए वापसी का एकमात्र रास्ता था कि दूसरी पारी में विरोधी टीम को जल्दी आउट किया जाए। शुरुआती झटकों के बाद स्थिति चुनौतीपूर्ण लग रही थी, जब टीम 11/2 पर लड़खड़ा गई थी।

पिता के निधन के बाद टीम से जुड़ें रिंकू सिंह, देश के लिए निभाई जिम्मेदारी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा स्टार रिंकू सिंह अपने जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बीच उनके पिता का निधन हो गया, लेकिन इस गहरे दुख के बावजूद रिंकू ने हिम्मत दिखाते हुए टीम इंडिया में दोबारा शामिल हो गए है और वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के इडन गार्डन में होने वाले मैच के लिए तैयार हैं। रिंकू 26 फरवरी को भारत और जिम्बाबे के बीच खेले गए मैच में मैदान पर मौजूद थे। हालांकि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा नहीं थे, लेकिन सब्सटीट्यूट फील्डर के रूप में उन्होंने अपनी भूमिका निभाई। मैच खत्म होने के कुछ घंटे बाद, 27 फरवरी की सुबह उन्हें उनके पिता खानचंद सिंह के निधन की दुखद सूचना मिली। उनके पिता लिवर कैंसर के चौथे स्टेज से जूझ रहे थे। सूचना मिलते ही रिंकू चेन्नई से सीधे अपने शहर अलीगढ़ पहुँचे और अपने पिता के पार्थिव शरीर को कंधा देकर अंतिम संस्कार किया। इससे पहले भी, वह टूर्नामेंट के दौरान अपने पिता की खराब तबीयत के चलते अस्पताल गए थे, लेकिन देश की जिम्मेदारी को देखते हुए टीम के साथ जिम्बाब्वे मैच से पहले फिर जुड़ गए थे। भारत का अगला और बेहद अहम मुकाबला 1 मार्च को इडन गार्डन में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेला जाएगा। यह मैच किसी क्वार्टर फाइनल से कम नहीं है, क्योंकि जीतने वाली टीम सीधे सेमीफाइनल में जगह बनाएगी। टीम की जरूरत को देखते हुए रिंकू का यह फैसला क्रिकेट जगत और प्रशंसकों के बीच बेहद सराहा जा रहा है। निजी त्रासदी के बावजूद देश के लिए तत्पर रहने का उनका यह साहसिक कदम युवाओं के लिए प्रेरणा बन गया है।

तीसरे वनडे में साख बचाने उतरेगी भारतीय महिला टीम

-बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार की सख्त जरूरत

होबार्ट (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो वनडे में एकतरफा हार झेलने के बाद मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम अब पूरी तरह बैकफुट पर खड़ी है। रविवार को होबार्ट में होने वाला तीसरा और अंतिम महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भारत के लिए केवल सम्मान बचाने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया पहले ही 2-0 की अजेय बढ़त लेकर श्रृंखला अपने नाम कर चुका है और यह लगातार 12वीं बार है जब भारत द्विपक्षीय वनडे श्रृंखला में इस प्रतिद्वंद्वी से हार चुका है। भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी कमजोर बल्लेबाजी रही है। पहले वनडे में पावरप्ले के भीतर ही तीन महत्वपूर्ण विकेट खोने के बाद टीम 214 पर सिमट गई। दूसरे वनडे में हालांकि टीम ने 78 रनों की शानदार साझेदारी से शुरुआत की, लेकिन मध्य और निचले क्रम ने इसे भुनाया नहीं। 17वें से 31वें ओवर के बीच मात्र 52 रनों पर पांच विकेट गंवाना टीम के पतन की बड़ी वजह रहा। परिणामस्वरूप भारत नौ विकेट पर 251 रन ही बना पाया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने जहां दो अर्धशतक जड़े, वहीं युवा सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल ने शून्य पर आउट होने के बाद शानदार अर्धशतक से वापसी की। स्मृति मंधाना भी दो मैचों में 31 और 58 रन बनाकर अच्छी लय में दिखीं। लेकिन अनुभवी खिलाड़ियों जेमिमा रोड्रिग्स और दीप्ति शर्मा का फॉर्म टीम के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। हरमनप्रीत ने भी स्वीकार किया कि टीम ने बार-बार वही गलतियां दोहराईं और महत्वपूर्ण मौकों पर विकेट गंवाए जिससे बड़ा स्कोर खड़ा नहीं हो सका। भारत की गेंदबाजी की स्थिति भी उतनी मजबूत नहीं दिखी। दीप्ति ने दो मैचों में तीन विकेट जरूर लिए, लेकिन उनके अलावा तेज गेंदबाज काशवी गौतम और क्रांति गौड़ को पावरप्ले में अधिक प्रभावी होने की जरूरत है। श्री चरणी पहले मैच में दो विकेट लेने के बाद दूसरे मैच में काफी महंगी साबित हुईं। खराब फील्डिंग ने टीम की परेशानियां और बढ़ाईं गौड़, मंधाना और ऋचा घोष के कैच छोड़ने से ऑस्ट्रेलिया को और बढ़त मिली।

इसके विपरीत ऑस्ट्रेलियाई टीम ने हर विभाग में अपना दबदबा कायम रखा है। दूसरे वनडे में जॉर्जिया वोल के दमदार शतक और फीबी लिचफील्ड की शानदार बल्लेबाजी ने मैच को एकतरफा बना दिया। पहले मैच में बेथ मूनी, एलिसा हीली और एनाबेल सदरलैंड ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। गेंदबाजी में मेगन शट, एशले गार्डनर, अलाना किंग और सदरलैंड ने लगातार विकेट निकालकर भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। भारत भले ही टी20 श्रृंखला 2-1 से जीत चुका है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे की जीत ने बहु-प्रारूप श्रृंखला में उसे 6-4 की बढ़त दिला दी है। भारत को न केवल तीसरे वनडे में बल्कि पर्थ में होने वाले एकमात्र टेस्ट में भी दम दिखाना होगा, ताकि इस दौरे का अंत निराशाजनक न हो और टीम अपनी प्रतिष्ठा बचा सके।

टीम इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा, क्रांति गौड़, स्नेह राणा, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, जेमिमा रोड्रिग्स, काशवी गौतम, हरलीन देयोल, प्रतिका रावल।

ऑस्ट्रेलिया: एलिसा हीली (कप्तान), सोफी मोलिनी (उप-कप्तान), डार्सी ब्राउन, निकोला कैरी, एशले गार्डनर, किम गार्थ, अलाना किंग, फीबी लिट्चफील्ड, बेथ मूनी, ताहलिया मैकग्रा, एलीसे पेरी, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

'संजू सैमसन को अब मौका लपकना होगा' : अश्विन

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम इंडिया की बल्लेबाजी पहली बार पूरी तरह चमककर सामने आई जब ग्रुप स्टेज खत्म हो चुका था और सुपर-8 का पहला मुकाबला टीम हार चुकी थी। सेमीफाइनल की उम्मीदें 'अगर-मगर' पर टिकी थीं, लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों ने ऐसा प्रदर्शन किया जिसने टूर्नामेंट में नई जान फूंक दी। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टी20 वर्ल्ड कप इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर 256 रन खड़ा किया और मुकाबला 72 रन से जीत लिया। इस मैच में संजू सैमसन को मौका दिया गया और उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग में उतारा गया। दोनों ने सिर्फ 22 गेंदों में 48 रन की तेज साझेदारी की। सैमसन 15 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन उन्होंने पावरप्ले में वह आक्रामक शुरुआत दे दी जिसकी टीम को सख्त जरूरत थी। इस दमदार जीत और सैमसन की पारी पर दिग्गज ऑफ स्पिनर रवचन्द्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर खास प्रतिक्रिया दी। अश्विन ने कहा कि सैमसन को आक्रामक क्रिकेट के रास्ते पर चलते रहना होगा और यह उनके लिए सुनहरा अवसर है। उन्होंने कहा, 'मैं जिस संजू सैमसन को जानता हूं, मुझे उसकी क्षमता पर पूरा भरोसा है। भारत को वर्ल्ड कप के दौरान ओपनिंग में समस्या थी, लेकिन इस मैच ने उसे दूर कर दिया। अगर सैमसन यहां से फाइनल तक 15 गेंदों में 28 या 30 रन भी बना देते हैं, तो वह टीम के लिए अपना काम कर चुके होंगे। बड़े स्कोर भी बन सकते हैं, लेकिन उनकी भूमिका यही है तेजी से टीम को शुरुआत देना।' अश्विन ने आगे कहा कि वे सैमसन को बड़ी पारी खेलते देखना चाहते हैं। 'मैं चाहता हूं कि सैमसन अच्छी शुरुआत को मैच-विनिंग पारी में बदलें। यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा मौका है। सालों की मेहनत के बाद इस मंच तक पहुंचे हैं, उन्हें इसे पकड़ना होगा। अगर नाकाम भी होते हैं, तो यह जरूर कह पाएंगे कि उन्होंने कोशिश की। मैं चाहता हूं कि वह इस वर्ल्ड कप में एक शतक लगाएं या मैच जिता दें वे इसके हकदार हैं।' भारत के लिए अब अगला और सबसे अहम सुपर-8 मुकाबला 1 मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। यह मैच क्वार्टर फाइनल जैसा है जो टीम जीतेगी वही सेमीफाइनल में जाएगी। ग्रुप-1 से दक्षिण अफ्रीका पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। ऐसे में सैमसन और टीम इंडिया पर सबकी निगाहें टिकी रहेंगी।

जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट का नया सूरज, रणजी ट्रॉफी जीतकर मनाया जश्न, पीएम मेदी ने दी बधाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई दी और उनके असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून की सराहना की। जम्मू और कश्मीर ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए शनिवार को हुबली में खेले गए रणजी ट्रॉफी के फाइनल में मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। पीएम मोदी ने एक पोस्ट में लिखा कि जम्मू और कश्मीर टीम को उनकी पहली रणजी ट्रॉफी जीत पर बधाई! यह ऐतिहासिक जीत टीम के असाधारण साहस, अनुशासन और जुनून को दर्शाती है। यह जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए गर्व का क्षण है और वहां के बढ़ते खेल प्रेम और प्रतिभा को उजागर करता है। आशा है कि यह उपलब्धि कई युवा खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और अधिक खेलने के लिए प्रेरित करेगी।

जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को कर्नाटक के खिलाफ ऐतिहासिक पहली रणजी ट्रॉफी जीत के लिए जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम को हार्दिक बधाई दी है। सिन्हा ने इस उपलब्धि को केंद्र शासित प्रदेश के खेल इतिहास में एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के असाधारण प्रदर्शन और समर्पण की सराहना की। सिन्हा ने पत्रकारों से कहा कि जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम ने रणजी टूर्नामेंट में बहुत ही सराहनीय प्रदर्शन किया है। टीम को मेरी शुभकामनाएं।

X पर एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर का गौरवशाली क्षण आ गया है! हमारी क्रिकेट टीम को रणजी ट्रॉफी जीतते हुए देखकर मेरी भावनाएं शब्दों से परे उमड़ रही हैं। उन सभी खिलाड़ियों को जिन्होंने अपने दृढ़ संकल्प से इतिहास रचा- पूरे केंद्र शासित प्रदेश की ओर से आपको धन्यवाद, हम गर्व से फूले नहीं समा रहे हैं। आपने इतिहास को अमर कर दिया है - इसे सम्मान के साथ अपनाएं। मैं माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 2019 के बाद केंद्र शासित प्रदेश में शुरू हुई खेल क्रांति के लिए आभारी हूं। सभी युवाओं से- इस जोश को अपने क्षितिज को प्रज्वलित करने दें- अथक और लगन से प्रशिक्षण लें। इस जीत को आधार बनाकर प्रभुत्व के युगों का नेतृत्व करें - जम्मू-कश्मीर का अजेय भविष्य आपसे शुरू होता है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने रणजी ट्रॉफी 2025-26 के फाइनल में जीत के बाद जम्मू और कश्मीर क्रिकेट टीम को बधाई दी और इसे दृढ़ता और लगन का एक उल्लेखनीय उदाहरण बताया। पारस डोगरा के नेतृत्व वाली जम्मू और कश्मीर टीम ने 67 साल के लंबे इंतजार को खत्म करते हुए मजबूत टीम कर्नाटक को हराया। अपने पहले रणजी फाइनल में खेलते हुए, जम्मू और कश्मीर ने पहली पारी में 291 रनों की विशाल बढ़त के दम पर खिताब जीता। यह बढ़त आठ बार की चैंपियन कर्नाटक टीम के लिए नामुमकिन साबित हुई, जिसकी कप्तानी देवदत्त पडिक्कल कर रहे थे। शाह ने अपने खाते पर न सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि पर्दे के पीछे काम करने वाली पूरी टीम की सराहना की।

उन्होंने लिखा कि जम्मू-कश्मीर की भारतीय टीम को उनके दृढ़ संकल्प और लगन की अद्भुत कहानी के लिए हार्दिक बधाई। खिलाड़ी प्रशंसा के पात्र हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर के कोचिंग स्टाफ, प्रबंधन और प्रशासकों के योगदान को भी नहीं भूलना चाहिए, जिन्होंने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाने के लिए पर्दे के पीछे अथक परिश्रम किया है। मुझे विश्वास है कि यह जीत इस क्षेत्र की वर्तमान पीढ़ी के दिलों में आत्मविश्वास जगाएगी और आने वाली पीढ़ी को बल्ला या गेंद उठाने के लिए प्रेरित करेगी। हमारा खेल दुनिया भर में प्रेरणा की ऐसी कहानियों से समृद्ध है, और मुझे उम्मीद है कि इस कहानी को भी उतना ही सम्मान मिलेगा।

फाफ डु प्लेसिस ने किया 2026 विश्व कप फाइनल का बड़ा प्रिडिक्शन

नई दिल्ली । टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप में सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को अब भी बरकरार रखा है। सुपर-8 चरण में साउथ अफ्रीका से पहला मुकाबला हारने के बाद टीम इंडिया पर उठ रहे सवाल अब इस जीत के साथ तारीफों में बदल गए हैं। अगर भारत अपने अगले मुकाबले में वेस्टइंडीज को मात दे देता है, तो उसके लिए सेमीफाइनल का रास्ता लगभग साफ हो जाएगा। वहीं, ग्रुप की अंकतालिका में दक्षिण अफ्रीका लगातार दो जीत के साथ और जिम्बाब्वे की दो हार के चलते पहले ही सेमीफाइनल में जगह बना चुका है। इसी बीच दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने एक बड़ा दावा किया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बात करते हुए भविष्यवाणी की कि टी-20 विश्व कप 2026 का फाइनल भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। फाफ ने कहा, 'भारत बेहद मजबूत टीम है और अपनी सरज़मीन पर कभी कमजोर नहीं पड़ती।' उन्होंने आगे कहा कि उनके अनुसार इस बार दक्षिण अफ्रीका फाइनल जीतकर पहली बार विश्व चैंपियन बनेगा। फाफ ने मज़ाकिया अंदाज में यह भी कहा कि फाइनल में डेविड मिलर बिलकुल वैसा ही कैच लेंगे जैसा सूर्यकुमार यादव ने टी-20 विश्व कप 2024 के फाइनल में लिया था।

दांत दर्द के सरल उपचार

दांत हमारे चेहरे की शोभा हैं। ये भोजन चबाने और पचाने के लिए पहला स्त्रोत हैं। इनको ठीक रखना जरूरी है।

अधिक मिठाइयां खाने, चीनी खाने, धूम्रपान, बेकरी की बनी चीजें खाने, कभी गर्म तो कभी ठंडा एक साथ पीने, दांत साफ न करने–विशेषकर राक को सोने से पूर्व दांत साफ न करने से दातों के रोग हो जाते हैं। फिर तो दांत दर्द भी करते रहते हैं। जल्दी टूट जाते हैं। खाने–पीने का सारा मजा किरकिरा हो जाता है। दांतों में पीब पड़ना, दांतों से खून निकलना, मसूढ़े खराब रहना परेशानी का कारण है।

मसूढ़े तथा दांत ठीक रहें, इसके लिए–

धूम्रपान, मिठाई, चीनी, टॉफी केक, आदि की त्याग करें।

नीम के दातुन से दांत साफ करना सबसे अच्छा है या जो भी दातुन मिले वही ठीक है। न मिले तो ब्रश ही सही।

अधिक गर्म पदार्थ, अधिक ठंडे पदार्थ नहीं खाएं। विशेषकर एक के बाद दूसरा न खाएं, न पीएं।

ये चीजें अधिक खाएं:

1. सालद, 2. कच्ची सब्जियां, 3. पके फल, 4. नींबू, 5. गाजर, 6. मूली, 7. शलजम, 8. गन्ना, 9. प्याज, 10. लहसुन, 11. दूध, 12. आंवला, 13. हल्दी, 14. लौंग, 15. हींग, 16. बीन्स फलियां आदि।

आंवले का रस: आंवले का रस निकालें। इसमें जरासा पिसा कपूर मिलाएं। इसे दांतों पर लगाएं। दर्द ठीक होगा।

नींबू का रस: आधा गिलास पानी लें। इसमें सैंधा नमक डालकर मिलाएं। इसमें नींबू निचोड़ें। अब इससे दांत साफ करें। कुल्ला करें।

हींग तथा हल्दी: पिसी हुई हींग तथा हल्दी थोड़ी–थोड़ी मात्रा में ले। इसे दुखते दांतों पर रखें। थोड़ा दबाएं।

हल्दी का चूर्ण: इसे दांतों पर मलने से दर्द नहीं रहता।

लौंग: दर्द करते दांतों में लौंग रखें। गंदा पानी निकल जाएगा तथा दर्द भी ठीक होता जाएगा।

अब नहीं होगा प्रेग्नेंसी में हाई ब्लडप्रेशर

गर्भवती महिलाएं अब उच्च रक्तचाप की बीमारी से छुटकारा पा सकेगी। महाराष्ट्र के कोल्हापुर के प्रसूति विशेषज्ञ डा. सतीश पत्की ने शुक्रवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में यह दावा करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्र सरकार के राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र के एक वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. रमेश भोंदे के साथ मिलकर एक अनूठी स्टेम सेल थैरेपी ईजाद की है जिससे इस बीमारी से छुटकारा पाया जा सकता है।

गर्भधारण करने के 20 सप्ताह के बाद औरतों में पैरों, हाथों और चेहरे की सूजन बढ़ती है और इसी के साथ औरत का रक्तचाप बढ़ जाता है जिससे काफी समस्याएं पैदा होती हैं। इस बीमारी को 'सिंड्रोम ऑफ थियरीज' कहा जाता है। सैकड़ों वर्षों से चिकित्सा बिरादरी के समक्ष यह बड़ी चुनौती थी कि आखिर कुछ गर्भवती महिलाओं का रक्तचाप अचानक कैसे बढ़ जाता है और भारतीय संदर्भ में यह और भी महत्वपूर्ण है, जहां बच्चे को जन्म देने के दौरान अथवा बच्चे को जन्म देने से पूर्व माताओं की मृत्यु दर अधिक है। डा. पत्की ने बताया कि उनके ईजाद किए इलाज में गर्भवती महिला को दो दिन अस्पताल में बिताने होंगे और इलाज में कोई बड़ा ऑपरेशन शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि इलाज में बोन मैरो ऑपरेशन किया जाता है और उसके नमूने की प्रयोगशाला में जांच की जाती है जिसके बाद स्टेम सेल पॉपुलेशन को अलग कर गर्भ में गर्भनाल के स्थान पर सुई से लगाया जाता है। इसके बाद मरीज के रक्तचाप में काफी सुधार दिखता है और तनाव से राहत पाने के अलावा वह स्वस्थ बच्चे को जन्म देने में सक्षम होती हैं। डा. पत्की के अनुसार उन्होंने अत्यधिक उच्च रक्तचाप से पीड़ित 15 गर्भवती महिलाओं का इस तकनीक से सफल इलाज किया है। डा. पत्की ने कहा कि उन्होंने और डा. भोंदे ने इस प्रणाली का पेटेंट करवाने के लिए आवेदन किया हुआ है और उन्हें लगता है कि इस अनुसंधान की प्रभावशीलता के मूल्यांकन के लिए और व्यापक संशोधन की आवश्यकता है।

हेल्थ प्लस

नहीं छूट रही सिगरेट लंग कैंसर के मामले बढ़े

सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान प्रतिबंधित किए जाने के बावजूद धूम्रपान को रोकने में अपेक्षित मदद नहीं मिल पाई है और इस लत के कारण फेफड़ों के कैंसर के मामलों में वृद्धि हो रही है।

विशेषज्ञों की मानें तो फेफड़ों के कैंसर का मुख्य कारण धूम्रपान है। सर्वाधिक चिंता की बात यह है कि युवा पीढ़ी में फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं और वह आधुनिकता की चाह में धूम्रपान की गिरफ्त में तेजी से आ रही है। वरिष्ट चिकित्सक डा श्याम अग्रवाल ने बताया कि धूम्रपान के साथ–साथ मघपान भी फेफड़ों के कैंसर का जन्मदाता होता है। तमाम प्रयासों के बावजूद आज स्थिति यह है कि फेफड़ों का कैंसर आज दूसरा सर्वाधिक कामन कैंसर है। सिगरेट का धुआं और अल्कोहल फेफड़ों की कोशिकाओं और उतकों को क्षतिग्रस्त कर देते हैं जिससे उनमें कैंसरकारी ट्यूमर उत्पन्न हो जाता है। फलस्वरूप फेफड़ों का सामान्य कामकाज प्रभावित होता है और अन्य समस्याएं भी होने लगती हैं। इंडियन सोसायटी आफ मेडिकल एंड पीडियाट्रिक ओंकोलोजी (आईएसएमपीआ) के एक अध्ययन के अनुसार फेफड़ों के कैंसर के मामले भारत में तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। हर साल कम से कम 50,000 नए मामलों का पता चलता है। वरिष्ट चिकित्सक डा सुनीता माहेश्वरी ने बताया कि दूरदराज के गांवों में तो कैंसर के बारे में आज भी ज्यादा जानकारी नहीं है। वहां आज भी लोग हुक्का, बीड़ी, शराब आदि का सेवन करते हैं। महिलाएं भी पीछे नहीं रहतीं। शहरों में जानकारी होने के बावजूद लोग धूम्रपान और मघपान से दूर नहीं रहते। नतीजा, फेफड़ों का कैंसर के रूप में सामने आता है। डा माहेश्वरी मानती हैं कि फेफड़ों के कैंसर से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत में फेफड़ों के कैंसर का अच्छे से अच्छा इलाज उपलब्ध है लेकिन जागरूकता का अभाव हर उपलब्धि पर जैसे पानी फेर देता है। डा अग्रवाल के अनुसार हर पांच में से एक व्यक्ति केवल इसलिए फेफड़ों के कैंसर का शिकार होता है क्योंकि वह धूम्रपान करता है। इसलिए सबसे पहले धूम्रपान पर प्रतिबंध को अत्यंत कठोरता से लागू किया जाना चाहिए। साथ ही हर स्तर पर जागरूकता अभियान भी चलाया जाना चाहिए।

कैसे स्वस्थ रहें बच्चें?

आजकल भागमभाग वाली जिंदगी में बच्चों की दैनिक दिनचर्या सिर्फ स्कूल आने–जाने सोने और खाने तक ही सिमट कर रह गई है। बच्चों का छह–सात घंटे का समय सिर्फ स्कूल आने–जाने और पढ़ने में ही बीत जाया करता हैं। घर भी उन्हें सुकून नहीं मिलता।

माता–पिता अपने बच्चों को ट्यूशन लगवा देते हैं क्योंकि उन्हें हर समय यह डर बना रहता हैं कि इस प्रतिस्पर्धा के युग में कहीं उनका बच्चा पिछड़ न जाएं फिर बच्चों के पास अगर समय बचता हैं, तो सिर्फ होमवर्क करने, टी.वी. देखने, खाने और सोने का।

स्कूल से वापस आते समय बच्चों का फूल सा चेहरा मुरझा जाता है तबीयत बिगड़ जाती हैं। बच्चें स्कूल से आने के बाद भी पढ़ाई के लिए मां–बाप की डांट–डपट खाते रहते हैं। अत: स्कूली पढ़ाई, होमवर्क आदि के कारण बच्चे हर समय तनाव में जीते हैं। तनाव का असर उनके स्वास्थय पर भी पड़ता हैं।

बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है कि उन्हें संतुलित पौष्टिक भोजन दिया जाए। साथ ही खाने–पीने एवं अन्य दिनचर्याओं पर भी ध्यान दिया जाए।

इसके लिए निम्नलिखित बातों पर ध्यान देना आवश्यक हैं :

- बच्चों को प्रात: बैंड–टी की आदत कतई न डालें। प्रात: उठने पर एक गिलास गुनगुने पानी में एक नींबू का रस निचेड़कर पिलाएं। इससे एक तो पाचनशक्ति बढ़ेगी और दूसरी प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती हैं।
- नाश्ते में प्रतिदिन एक गिलास दूध, एक फल जैसे सेब, केला, संतरा, अमरूद आदि का समावेश अवश्य किया जाना चाहिए। साथ ही अंकुरित अनाज अवश्य ही खिलाया जाना चाहिए। अंकुरित अनाज में सूखे मेवे से अधिक ताकत मिलती हैं। अंकुरण के कारण इसमें विटामिन–ई भी पाया जाता है तथा रेशा होने से बच्चों में मोटापा नहीं आ पाता हैं।
- दोपहर व रात के खाने में दाल, हरी सब्जी, दही, कड़ी, सलाद, रोटी–चावल अवश्य खिलाया जाना चाहिए। याद रखें, ज्यादा तलाभुना खाने से शरीर में वसा की अधिकता हो जाती हैं, इसी लिए ऐसा भोजन देना चाहिए जिसमें प्रोटीन की मात्रा अधिक हों।
- आइसक्रीम एवं चाकलेट बच्चे बहुत पसंद करते हैं पर स्वास्थ्य के लिए ये सही नहीं हैं। अग बच्चा जिद करें तो सप्ताह में एक बार तो चाटलेट या आइसक्रीम दे सकते हैं।

- बच्चे को प्रतिदिन छह से आठ गिलास पानी पीने की आदत डालनी चाहिए। फलों के जूस तथा मूट्ठा भी बीच–बीच में देते रहने से बच्चों में पौष्टिकता बढ़ती रहती हैं तथा अध्ययन से थके दिमाग को आराम मिलता हैं।
- बच्चों को सूर्योदय से पहले उठने की आदत डालनी चाहिए। इसी प्रकार रात को नौ बजे तक बिस्तर पर सो जाना भी आवश्यक होता हैं। पूरी नींद लेने से बच्चा चिड़चिड़ा नहीं होता।
- शाम के समय बच्चों को बैडमिंटन, टेबलटैनिस, हॉकी आदि खेलने को कहें। इससे पूरे शरीर का अच्छा–खासा व्यायाम हो जाता हैं।
- छुट्टी के दिन बच्चों को सुबह जॉगिंग पर ले जाएं। खुली हवा में सांस लेने से बच्चों में स्फूर्ति बढ़ती हैं।

हमारी यही राय हैं कि माता–पिता अपने बच्चों को पढ़ाएं, चाहें वो लड़का हो या लड़की। कभी भी लड़के–लड़की में अंतर न समझें। यदि आप ये सोचते हैं कि लड़की पढ़–लिख कर क्या करेंगी आखिर लड़की तो परायी होती हैं, ऐसा बिल्कुल न सोचें यदि इन्हें आप पढ़ायेगे तो आगे जाकर ये अपने माता–पिता व समाज का नाम रोशन करेंगी। इसी लिए सभी को पढ़ाएं। यदि लड़की पढ़ी–लिखी होगी तो अपने परिवार की देख–रेख स्वयं कर सकती हैं।

मोटे पेट की समस्या

हमारे पेट में कई प्रकार के बैक्टीरिया और खमीर होते हैं। इनमें से कुछ हमारे लिए हानिकारक भी होते हैं। जब पेट में खमीर की मात्रा बढ़ जाए और अच्छे बैक्टीरिया कम हो जाएं, तो पाचन क्रिया प्रभावित होती है और गैस बनने लगती है। इन मददगार बैक्टीरिया की कमी के कारण खाना ठीक से नहीं पचता, पेट में परेशान करने वाली हलचल होती है, जी मिचलता है और डकारें आती हैं, गैस निकलती है।

विशेषज्ञों के अनुसार पेट की परेशानियों से बचने के लिए एक तो तय समय पर ही भोजन किया जाए, अत्यधिक (बार–बार) चाय, कॉफी से बचा जाए, मांस–मछली, मदिरा आदि का अधिक सेवन न किया जाए। इसके अलावा अधिक तले पदार्थ, मिर्च मसाला आदि न खाएं। खाने की मनाही नहीं है, जो भी आप खाना चाहें खाएं परंतु एक ही चीज अधिक मात्रा में तो दूध पानी भी हानिकारक है। ताजे फल–सब्जियां और सादा भोजन लेने से पेट अधिक ठीक रहेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लेन–देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-7-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। चल–अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक–2–5–7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेगी। प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक–6–7–9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक–1–4–6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक–5–7–9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। दिमाग में निर्मूल तर्क पैदा होंगे। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ नरम रहेगा। शुभांक–5–7–9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन–देन में सतर्क रहें। शुभांक–2–5–7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम–प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक–1–5–9

धनु (ये यो भा भी भू): मेल–मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक–दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। कार्य स्थल पर नियमपर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक
राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3815

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3814 का हल

लॉफिंग ज़ोन

न्यायाधिश (चोर से)– एक ही रात में छह चोरियाँ करने का आरोप है। इस पर तुम्हें क्या कहना है?

चोर मुस्कुराते हुआ बोला– जी हुजूर! मेरे पूज्य ससुरजी कहा करते थे कि मेहनत से कभी भी जी नहीं चुराना चाहिए।

□ □ □

पिछले दिनों सड़क पर धूमधाम से बारात जा रही थी। घोड़े पर दूल्हे मियाँ के मुँह पर पट्टी बँधी थी।

एक राहगीर ने यह देखकर एक बाराती से पूछा : भैया, दूल्हे के मुँह पर पट्टी क्यों बँधी है?

बाराती ने मुस्कुराते हुए कहा– भाई साहब दूल्हा मोहल्ले का नेता है। वह भीड़ देखते ही भाषण देने लगता है।

□ □ □

एक बार प्रेमी और प्रेमिका डेटिंग पर गए। बहुत देर घूमने–फिरने के बाद वे एक नितांत स्थान पर बैठ गए। अपने आसपास किसी को न पाकर प्रेमी ने मौके का फायदा उठाना चाहा और प्रेमिका की गाल की ओर अपना मुँह बढ़ाते हुए बोला– चुम्बन क्या है?

शरारत भरे अंदाज में प्रेमिका बोली– चुम्बन! प्यार के गुप्त समझौते पर हस्ताक्षर है।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3815

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की फिल्म–४
४. बी.आर. चोपड़ा की फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी–३
६. अशोककुमार, संजीवकुमार, सुमिता सान्याल की फिल्म–४
७. फिल्म 'चाँद का टुकड़ा' में श्रीदेवी के साथ नायक कौन था–४
९. अयूब खान, आयशा जुल्का की 'ओ सरफि री ओ' गीत वाली फिल्म–३
११. 'अंख लड़ती है तो लड़ने दे' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा रवीना की फिल्म–२
१२. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म–२
१३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म–२
१५. जॉन अब्राहम, उदिता गोस्वामी की 'अपनी चाहतों पे' गीत वाली फिल्म–२
१९. 'एरी रे एरी क्या है पहेली' गीत वाली ऋतिक, जैकी, करीना की फिल्म–२
२०. अक्षय, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख के' गीत वाली फिल्म–३
२२. फिल्म 'पूरब और पश्चिम' का निर्माता निर्देशक, नायक कौन था–३
२४. सुनीलदत्त, वहीदा, आशा पारेख की 'इतना ना मुझसे तू प्यार बढ़ा' गीत वाली फिल्म–२
२५. 'चप्पा चप्पा चरखा' गीत वाली चंद्रचूड़सिंह, अरशद वारसी, रवि गोसाई, तब्बू की फिल्म–३
२६. 'मिलती है जिंदगी में' गीत वाली फिल्म 'आँखें' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी–२
२८. फिल्म 'राजाजी' में गोविंदा के साथ नायिका कौन थी–३
३१. अमिताभ, शशि, स्मिता की 'आज रपट जायें तो' गीत वाली फिल्म–३,३

ऊपर से नीचे:-

१. संजयदत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म–२
२. बॉबी देओल, रानी की 'मिलने से डरता है दिल' गीत वाली फिल्म–३
३. 'गुड मार्निंग इंडिया' गीत वाली फिल्म–२
४. कमल हासन, श्रीदेवी की 'ऐ जिंदगी गले गला ले' गीत वाली फिल्म–३
५. राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म–३
६. 'दिल में छुपा के प्यार का' गीतवाली फिल्म–२
७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म–३
८. देव आनंद, माला सिन्हा की 'जारे जारे उड़ जारे पंछी' गीत वाली फिल्म–२
१०. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म–२
१२. अजय, मास्टर सत्यजीत, अलका की 'एक तेरा साथ हमको' गीत वाली फिल्म–३
१४. 'चोरों को सारे नजर' गीत वाली फिल्म–२,३
१६. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की 'ये सर्द आहें मेरी' गीत वाली फिल्म–२
१७. 'आज उनसे पहली मुलाकात होगी' गीत वाली राकेश रोशन, हेमा की फिल्म–३,२
१८. राकेश रोशन, जयाप्रदा की 'तुम संग प्रीत लगाई सजना' गीत वाली फिल्म–४
२१. 'तुम्हे जिंदगी के उजाले मुबारक' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीना कुमारी की फिल्म–३
२३. प्रशांत, ऐश्वर्या राय की फिल्म–२
२७. 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म–३
२९. 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम ?–२
३०. अमिताभ वाली संजय लीला की फिल्म जिसमें रानी मुखर्जी मूक–बधिर बनी है–२

फिल्म वर्ग पहेली- 3814

सूडोकु -3815

2		8	5	1	9	6		7
					8			1
		7	4	6		8		9
3	2				7			8
1		9		4		7		5
4			2				9	3
6		3		5	1	9		
8			3					
7		1	9	2	6	3		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

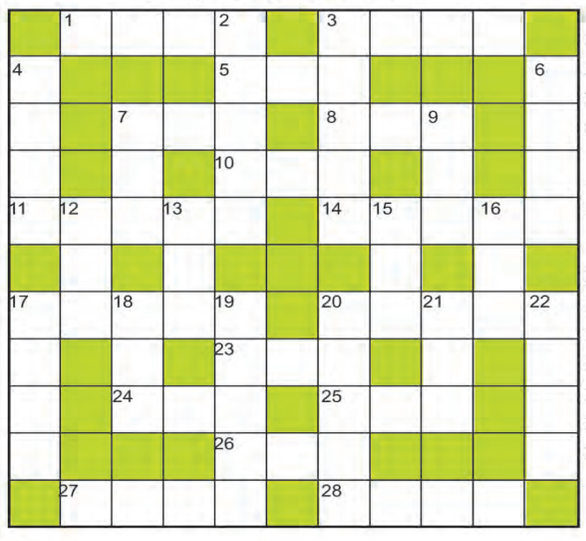

सूडोकु -3814 का हल

7	1	9	8	5	3	2	6	4
4	5	3	6	2	9	7	1	8
6	2	8	4	7	1	9	5	3
9	8	2	7	3	5	1	4	6
1	3	6	9	4	8	5	7	2
5	7	4	1	6	2	8	3	9
8	4	7	5	9	6	3	2	1
3	6	1	2	8	7	4	9	5
2	9	5	3	1	4	6	8	7

शब्द पहेली - 3815

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 3814 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी